Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 194 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 22 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धन का यदि संग्रह करते हैं, उसका त्याग नहीं करते तो वह धन हमारे लिये अभिशाप बन जाता है।

Accumulation of wealth becomes curse in the absence of its abandonment.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पूर्व मंत्री कवासी लखमा को 14 दिन की जेल, शराब घोटाले मामले में ईडी कर रही पूछताछ

रायपुर (विसं)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को कोर्ट में पेश किया। इस दौरान कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब चार फरवरी तक लखमा जेल में ही रहेंगे। कोर्ट में अगली सुनवाई पांच फरवरी को होगी। इस दौरान मीडिया से चर्चा में लखमा ने कहा कि वे निर्दोष हैं। उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है। मुझे देश के कानून पर पूरा भरोसा है। परेशान जरूर होंगे पर जीत सत्य की होगी। करोड़ों रुपये मिलने के सवाल पर कहा कि एक फूटी कौड़ी तक नहीं मिली।

उन्होंने कहा कि वे बस्तर के लोगों की आवाज उठाते रहेंगे, जल्द ही सच्चाई सबके सामने आएगी। जब तक जेल में रखेंगे, जब तक जनता की आवाज उठाते रहेंगे। राज्य सरकार ने बहुत परेशान किया है। बस्तर में सच बोलने वाले को मार दिया जाता है। राज्य सरकार आदिवासियों की आवाज दबा रही है। झूठे केस में फंसाया जाता है। नगरनार स्टील प्लांट को बेचने जा रहे हैं। अबूझमाड़ में सेना बैठा रहे हैं। इसकी आवाज उठाने पर डबल इंजन की सरकार जेल में डाल रही है। जो हो रहा है, वो गलत हो रहा है। छह-छह बार चुनाव जीता हूं। विधानसभा में मैंने सवाल उठाये हैं, घर पहुंचने से पहले ही ईडी आ गई। राजनीतिक साजिश के तहत बस्तर की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, हम जब तक रहेंगे बस्तर की आवाज उठाते रहेंगे।

ईडी ने 28 दिसंबर 2024 को पूर्व आबकारी मंत्री लखमा के रायपुर के धरमपुरा स्थित बंगले पर दबिश दी थी। पूर्व मंत्री की कार की तलाशी ली गई थी। कवासी के करीबी सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित घर और सुकमा में लखमा के बेटे हरीश लखमा और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर पर भी रेड मारी थी। ईडी के छापे के बाद लखमा ने कहा था कि घोटाला हुआ है या फिर नहीं, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं तो अनपढ़ आदमी हूं, अधिकारी ने मुझे जहां साइन करने को कहते थे, मैं वहां कर देता था।

भाजपा वाले गरीब तबके को राक्षस की तरह निगल जाएंगे : केजरीवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के रावण के सोने के हिरण बनने को लेकर बयानबाजी जारी है। भाजपा अरविंद केजरीवाल को बयान के लिए घेर रही है। दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन भी किया गया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ये लोग रावण की इतनी पैरवी क्यों कर रहे हैं। ये राक्षसी प्रवृत्ति के हैं और अगर दिल्ली की जनता ने इन्हें चुना, तो ये गरीब तबके के लोगों को राक्षस की तरह निगल जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल एक जनसभा में कहा था कि रावण सोने का हिरण बनकर आया था और सीता मैया उस सोने के हिरण पर मोहित हो गई। इस पर भाजपा वालों का कहना है कि रावण नहीं, मारीच राक्षस सोने का हिरण बनकर आया था। इसके लिए मेरे घर के सामने पूरी भाजपा धरने पर बैठी है।

गरियाबंद मुठभेड़ में 20 से ज्यादा नक्सली ढेर, 1 करोड़ का इनामी नक्सली जयराम मारा गया

अब तक 16 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला गरियाबंद में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 20 से ज्यादा नक्सली मारे गये हैं। वहीं सीआरपीएफ के कोबरा यूनिट का एक जवान भी घायल हुआ है, जिसे एयरलिफ्ट करके रायपुर लाया गया है। घायल जवान का नाम धमेंद्र भोई है। अब तक 16 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिये गये हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि इस एनकाउंटर में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती भी मारा गया है। वह नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का मेंबर था।

रविवार सुबह से फायरिंग चल रही है। 40 घंटे से मुठभेड़ जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। भालू डिग्गी के जंगल में कुल एक हजार से अधिक जवानों ने 60 से अधिक नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। इससे पहले रविवार को गरियाबंद में हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर हुए थे, वहीं एक जवान भी घायल हुआ था।

गरियाबंद मुठभेड़ में एके 47, एसएलआर, आईएनएसएएस और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए गए हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है। रायपुर संभाग के आईजी अमरेश मिश्रा ने इसकी जानकारी दी है।

गरियाबंद मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती मारा गया। वह नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी मेंबर था। मारे गए नक्सलियों में माओवादियों के सीनियर कैडर भी शामिल हैं, जिनकी शिनाख्त की जा रही है।

नक्सलवाद को एक और तगड़ा झटका : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद को एक और तगड़ा झटका. नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में हमारे सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है. सीआरपीएफ, एसओजी ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर एक संयुक्त अभियान में 14 नक्सलियों को मार गिराया है. नक्सल मुक्त भारत के हमारे संकल्प और हमारे सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों के साथ, नक्सलवाद आज अंतिम सांस ले रहा है.

सीएम विष्णु देव साय ने एक्स पर पोस्ट साझा किया : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना अंतर्गत कुल्हाड़ीघाट क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ रविवार रात से अब तक जारी मुठभेड़ में 10 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मार्च 2026 तक देश-प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए सुरक्षाबल के जवान निरंतर सफलता हासिल कर लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है। उनकी बहादुरी को सलाम करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए अभिनेता सैफ अली खान

मुंबई (आरएनएस)। घर पर हुए हमले में घायल अभिनेता सैफ अली खान को छह दिनों बाद मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अभिनेता मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थे, जहां उनकी सर्जरी हुई थी। सैफ को घर लाने के लिए उनकी पत्नी-अभिनेत्री करीना कपूर खान लीलावती अस्पताल पहुंची थीं। अभिनेता को डॉक्टरों ने सुझाव दिया है कि उन्हें पूरी तरह से ठीक होने के लिए कुछ और दिन आराम करने की जरूरत है। इस बीच, सैफ अली खान के घर की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची ममता सरकार

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में सियालदह कोर्ट के फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। सियालदह कोर्ट ने सोमवार को दोषी संजय रॉय को उम्रकैद (मृत्यु तक कारावास) की सजा सुनाई थी, जिसके खिलाफ अब राज्य सरकार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने याचिका दायर कर अदालत से दोषी संजय रॉय को फांसी की सजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोषी को दी गई उम्रकैद की सजा पर्याप्त नहीं है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब समेत तीन राज्यों में 11 ठिकानों पर छापेमारी

जालंधर (आरएनएस)। जालंधर एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में पंजाब, हरियाणा और मुंबई में लगातार 72 घंटे तक छापेमारी की। इस दौरान गुरुग्राम, पंचकूला, जींद, मोहाली और मुंबई सहित 11 जगहों पर कार्रवाई की गई। श्वष्ठ ने व्यूनाउ मार्केटिंग सर्विसेज और बिग बॉय टॉयज समेत छह कंपनियों से दो लग्जरी कारें और 3 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। ईडी ने सोमवार रात को इस कार्रवाई की जानकारी दी। उनके अनुसार, 17 से 20 जनवरी तक चली इस छापेमारी में व्यूनाउ इंफ्राटेक लिमिटेड, बिग बॉय टॉयज, मंडेशी फूड्स प्राालि, प्लैंकडॉट प्राालि, बाइटकैनवास एलएलपी, स्काईवर्स, स्काईलिंक नेटवर्क और इनसे जुड़ी अन्य संस्थाओं के कार्यालयों और आवासीय परिसरों को खंगाला गया।

राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने लिए 10 बड़े फैसले

डब्ल्यूएचओ को गुडबाय, थर्ड जेंडर खत्म

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद अपने पहले भाषण में पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी सरकार की जमकर आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने कई अहम फैसलों की भी घोषणा की। ट्रंप ने संसद परिसर में कैपिटल रोटुंडा में अपने भाषण में कहा कि आज से अमेरिका के स्वर्णिम युग की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि वह दुनिया में अमेरिका के खोए हुए मान-सम्मान को दोबारा स्थापित करेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार आंतरिक और बाहरी चुनौतियों से निपटने में नाकाम रही थी। उसने दूसरे देशों की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए वित्तीय मदद की लेकिन अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने में नाकाम रही। मुद्रास्फीति संकट बड़े पैमाने पर अधिक खर्च और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के कारण हुआ था और इसलिए आज मैं राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा करूंगा। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए आपातकाल की घोषणा करते हुए सेना भेजने की बात कही। उन्होंने पद संभालने के बाद जिन अहम निर्णयों की घोषणा की उनमें कुछ प्रमुख फैसले इस प्रकार हैं- राष्ट्रपति ट्रंप ने छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले के दोषी 1500 लोगों को माफी देने के आदेश पर साइन किए।

खड़गे ने बेलगावी में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया

बेलगावी (आरएनएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक के बेलगावी में सुवर्ण विधान सौध के परिसर में महात्मा गांधी की 25 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, राष्ट्रीय संगठन सचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य नेता मौजूद रहे। यह कार्यक्रम उस ऐतिहासिक अवसर की शताब्दी का प्रतीक है, जब महात्मा गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का पद संभाला था और ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम शुरू किया था।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी और महात्मा गाँधी निर्वाण दिवस 30 जनवरी को सम्पूर्ण रायपुर नगर पालिक निगम परिक्षेत्र में मांस

मटन विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। सम्पूर्ण रायपुर नगर पालिक निगम परिक्षेत्र में गणतंत्र दिवस दिनांक 26 जनवरी 2025 और महात्मा गाँधी निर्वाण दिवस दिनांक 30 जनवरी 2025 को मांस-मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इस सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से गणतंत्र दिवस दिनांक 26 जनवरी 2025 और महात्मा गाँधी निर्वाण दिवस दिनांक 30 जनवरी 2025 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। गणतंत्र दिवस दिनांक 26 जनवरी 2025 और महात्मा गाँधी निर्वाण दिवस दिनांक 30 जनवरी 2025 को किसी भी दुकान में मांस-मटन विक्रय करते पाये जाने पर मांस-मटन जप्त करने की कार्यवाही की जायेगी और सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जायेगी। गणतंत्र दिवस दिनांक 26 जनवरी 2025 और महात्मा गाँधी निर्वाण दिवस दिनांक 30 जनवरी 2025 को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस- मटन के विक्रय पर प्रतिबन्ध के आदेश का व्यवहारिक पालन सुनिश्चित करवाएंगे और इस हेतु अपने-अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों के मांस-मटन की दुकानों का सतत निरन्तर पर्यवेक्षण करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की जी-20 अध्यक्षता और शिखर सम्मेलन के बारे में अमिताभ की पुस्तक की सराहना की

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पीएम मोदी ने भारत की ज20 अध्यक्षता और शिखर सम्मेलन 2023 के बारे में पुस्तक लिखने के लिए अमिताभ कांत की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक बेहतर ग्रह की खोज में मानव-केंद्रित विकास को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों पर स्पष्ट दृष्टिकोण दिया है।

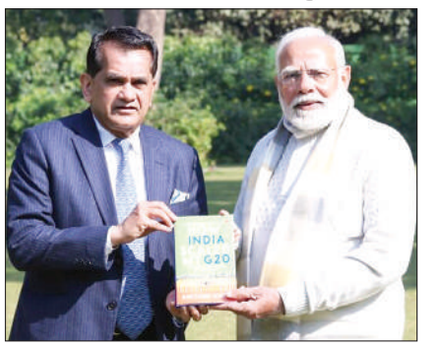

G20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें अपनी पुस्तक 'हाउ इंडिया स्केल्ड माउंट G20' भेंट की। अमिताभ कांत ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा कर यह जानकारी दी।

अमिताभ कांत ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी पुस्तक 'हाउ इंडिया स्केल्ड माउंट G20' भेंट करते हुए मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। यह उनकी प्रगतिशील दृष्टि, वैश्विक कद और समावेशी नेतृत्व शैली थी जिसने भारत के कूटनीतिक इतिहास के सबसे परिवर्तनकारी अध्यायों में से एक के लिए एजेंडा और दृष्टिकोण दोनों निर्धारित किए। G20 इंडिया टीम में उनके स्पष्ट विश्वास ने हमें असंभव प्रतीत होने वाली वार्ताओं के माध्यम से साहसी बनने और जोखिम उठाने में सक्षम बनाया। मैंने उनके G20 शेरपा के रूप में उनके विश्वास और मार्गदर्शन के लिए उनका धन्यवाद किया।

पीएम मोदी ने किताब की सराहना की : पीएम मोदी ने अमिताभ कांत की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, भारत की G20 अध्यक्षता और 2023 में शिखर सम्मेलन के बारे में लिखने का आपका प्रयास सराहनीय है, जो एक बेहतर ग्रह की खोज में मानव-केंद्रित विकास को आगे बढ़ाने के हमारे प्रयासों पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण देता है।

बता दें कि ज20का 18वां शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली के भारत मंडपम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। सम्मेलन की शानदार सफलता सुनिश्चित करने वाले पर्दे के पीछे के प्रयासों का खुलासा अब शेरपा अमिताभ कांत की नई पुस्तक, 'हाउ इंडिया स्केल्ड माउंट जी20ः द इनसाइड स्टोरी ऑफ द ज20 प्रेसिडेंसी' में किया गया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रायपुर आगमन पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री साय ने किया आत्मीय स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के रायपुर आगमन पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल में पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ का विमानतल पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, विधायक सर्वश्री सुनील सोनी, मोतीलाल लाल साहू, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब ने भी स्वागत किया। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्ले, पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा, डॉ. गौरव सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के कारण नगरीय निकाय में जनता रही विकास से वंचित, भाजपा करेगी जनता के सपनों को पूरा : अरुण साव

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

इसके साथ ही उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में होने जा रहे नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव मूलत: उस विश्वास को जनादेश में बदलने के लिए हैं, जो विश्वास हमने अपने पिछले एक वर्ष के कार्यकाल में हासिल किया है। हमने पिछले महीने ही जनादेश परब में विश्वास का एक वर्ष पूर्ण किया है। श्री साव ने कहा कि हमने नगरीय निकाय और पंचायत दोनों का आमचुनाव एक साथ कराने का निर्णय लिया है। ऐसा कर हम यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के वन नेशन वन एलेक्शन की ओर एक निर्णायक कदम बढ़ा चुके हैं।

उप मुख्यमंत्री साव ने मंगलवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। यह वर्ष प्रदेश निर्माता अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। निस्संदेह अटल निर्माण वर्ष में हमारी सरकार अधोसंरचना के क्षेत्र में अधिकाधिक कार्य करेगी और इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे नगरीय निकायों को मिलेगा। श्री साव ने कहा कि भाजपा ने अपने मंत्र हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे, के साथ राज्य में विकास का नया अध्याय लिखा है। केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा सरकार ने जो अद्भुत कार्य किए हैं, वह जनता के सामने हैं। हमने बीते एक साल में जो वादे किए, उन्हें पूरा कर यह साबित किया है कि भाजपा केवल बोलती नहीं, बल्कि करके दिखाती है। उन्होंने आगे कहा कि, शहरों में केन्द्र की मिशन अमृत 2.0 योजनांतर्गत 2,130 करोड़ रुपये की लागत से 45 शहरों में जलप्रदाय परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। शहरों में तालाबों के जीर्णोद्धार हेतु 113 करोड़ तथा उद्यान विकास हेतु 32 करोड़ रुपयों की स्वीकृति प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा प्रदान की गई है। डिप्टी सीएम श्री साव ने कहा कि केंद्रीय योजनाओं में भी सस्ती राजनीति के कारण लगातार कांग्रेस ने अवरोध पैदा किया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 : भाजपा ने संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी किया, ऑटो चालकों से लेकर एससी छात्रों के लिए किए बड़े वादे

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी कर दिया है। भाजपा ने संकल्प पत्र में सरकारी शिक्षण संस्थानों में जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा और युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 15 हजार की वित्तीय सहायता और 2 बार के यात्रा व आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति का वादा किया है। इसके अलावा भी कई वादे किए गए हैं।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी करते हुए कहा कि जब हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं, तो विकसित दिल्ली की एक अहम भूमिका है। हमारे संकल्प दिल्ली को विकसित बनाने के लिए हैं। संकल्प से सिद्धि की ये यात्रा हम अगले 5 वर्षों में पूरी करेंगे। भाजपा की जहां भी सरकारें रही, जन-कल्याण उनकी प्राथमिकता और केंद्र बिंदु रहा। केंद्र सरकार में भी हमने राज्यों के सहयोग से नागरिकों की समस्याओं का जहां समाधान किया, वहीं पर उनको सुविधाएं भी दी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार बनने पर हम स्वास्थ्य, यातायात, बिजली,

पानी और परिवहन आदि से जुड़ी समस्याओं का हल करेंगे। दिल्ली वालों को बेहतर आज और बेहतर कल देने का प्रयास करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने दलालों को खत्म कर दिया है और डीबीटी के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। भ्रष्टाचार के प्रति मोदी सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है।

भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली के सरकारी शिक्षण संस्थानों में दिल्ली के जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। हमारी सरकार बनने पर हम दिल्ली के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएंगे और 2 बार के यात्रा व आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति भी करेंगे।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि बिना कोई बहाना या आरोप, पड़ोसी राज्य, एमसीडी, एनडीएमसी और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली के नागरिकों की समस्याओं का समाधान करेंगे। आप सरकार के कुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति एवं एसआईटी का गठन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को डॉ. बीआर अंबेडकर स्टाइपेंड योजना के तहत 1 हजार रुपये प्रति माह का स्टाइपेंड दिया जाएगा। इसके अलावा संकल्प पत्र में ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए वेलफेयर बोर्ड, 10 लाख का जीवन बीमा, 5 लाख का दुर्घटना बीमा एवं वाहन बीमा और उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति देने का वादा किया है।

घरेलू कामगारों के लिए वेलफेयर बोर्ड, 10 लाख का जीवन बीमा, 5 लाख का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और 6 महीने की पेड मैटरनिटी लीव का वादा किया है। पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों की संख्या दोगुनी होगी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 22 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की है महत्वपूर्ण भूमिका : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

रायपुर (विश्व परिवार)। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 'कल्पनाएं : बेहतर भारत की' कार्यक्रम में एनआईटी, आईआईटी और आईआईएम के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने छात्र-छात्राओं से रूबरू होते हुए कहा कि आप सभी देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं। इन संस्थानों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की शिक्षा दी जा रही है। देश में एआई मशीन लर्निंग, ग्रीन हाईड्रोजन जैसी नवीन तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपराष्ट्रति ने कहा कि भारत जब 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब यह एक सशक्त और विकसित भारत का सपना केवल लक्ष्य नहीं बल्कि सुनिश्चित गंतव्य बन चुका होगा। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि भारत युवाओं की बदौलत फिर से विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने का आव्हान करते हुए कहा कि आयातित वस्तुओं का इस्तेमाल न कर देश का प्रत्येक नागरिक भारत को सशक्त बनाने में योगदान दे सकता है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि एक मजबूत भारत को आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ

वैश्विक रूप से जुड़ा होना चाहिए। नवाचार और उद्यमिता की एक मजबूत संस्कृति को बढ़ावा देकर इस विजन को साकार किया जा सकता है। टिकाऊ कृषि के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाकर, आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देकर और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश करके, छत्तीसगढ़ समावेशी और सतत विकास का एक प्रकाश स्तंभ बन सकता है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि हमारे युवा कल के निर्माता हैं। उन्हें ऐसे कौशल से परिपूर्ण किया जाना चाहिए जो पारंपरिक ज्ञान को अत्याधुनिक तकनीकों के साथ एकीकृत करते हैं। कौशल विकास कार्यक्रम और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना एक लचीली अर्थव्यवस्था और एकजुट समाज की नींव रखेगा। हमारे युवाओं को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए उद्योग-संबंधी शिक्षा और अग्रणी अनुसंधान संस्थानों को बढ़ावा देना होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि समृद्ध भारत के निर्माण के लिए हमें हमारे गौरवशाली इतिहास और सनातन परंपराओं का गहरा अध्ययन और इसकी गहरी समझ विकसित करनी होगी। भारत देश प्राचीनकाल से ही विश्वगुरु रहा है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों की ख्याति पूरी दुनिया में थी। जो समाज अपने अतीत की घटनाओं से शिक्षा ग्रहण करता है, वही समाज समृद्ध भविष्य के स्वप्न को साकार करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर भारत के निर्माण के लिए हमें देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को समझना होगा। आज चाहें सेमीकंडक्टर हों अथवा स्पेस टेक्नालाजी, हमारे देश में बड़ी तेजी से आत्मनिर्भर होने की दिशा में अपना कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए हम ग्रीन जीडीपी पर काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बलरामपुर रामानुजगंज में तीन दिवसीय लर्निंग लाईसेस शिविर, यातायात व आरटीओ विभाग द्वारा आयोजित किया गया शिविर

बलरामपुर (विश्व परिवार)। जिला बलरामपुर-रामानुजगंज अधीक्षक वैभव बैंकर के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

विश्व दीपक त्रिपाठी के निर्देशन में 36 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन 1 से 31 जनवरी तक किया जा रहा है। इसके अंतर्गत यातायात एवं परिवहन विभाग के द्वारा तीन दिवसीय लर्निंग लाईसेंस शिविर आज से 24 जनवरी तक किया जायेगा। लर्निंग लाईसेंस शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय बलरामपुर में परिवहन कार्यलय बलरामपुर के सामने पुराना बस स्टैण्ड इसके अलावा अन्य अनुभाग मुख्यालयों रामानुजगंज, कुसमी, वडरफ़नगर और राजपुर में निर्धारित स्थनों पर लर्निंग लाईसेंस शिविर आयोजित किया जायेगा। जिसमें आम नगरिकों के साथ-साथ स्कूली छात्र- छात्राओं का लर्निंग लाइसेंस बनाया जाना है। लर्निंग लाईसेंस बनवाने हेतु 10 वी का रिजल्ट एवं आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ शासन द्वारा जारी शुल्क निर्धारित किया गया है।

धान खरीदी में अनियमितता पर तीन और केंद्र प्रभारी हटाए गए

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में धान खरीदी केन्द्रों में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा धान खरीदी केन्द्रों में निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर तीन धान खरीदी केंद्रों के प्रभारियों को हटा दिया है। हटाए गये केंद्र प्रभारियों में रिकोकला चेतन डड़सेना, रोहांसी धर्मेन्द्र साहू एवं बिटकुली से मनोज कुमार श्रीवास्तव शामिल हैं। इसके पूर्व भी तीन केंद्र प्रभारियों को अनियमितता बरतने पर हटाए गये हैं। इस तरह सप्ताह भर के अंदर ही छह उपार्जन केंद्र प्रभारी हटाए गए। हटाए गए धान खरीदी केंद्रों में नये प्रभारी बनाए गए हैं जिसमें रिकोकला से कुर्तीबास बारिक, दतान(प) खिलावन ध्रुव, सैहा सुखीराम साहू, रोहांसी भुनेश्वर साहू, डमरू यशवंत कुमार साहू एवं बिटकुली राजेश साहू शामिल है।

जिले में अनुवीक्षण समिति गठित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के लिए जिले के समस्त शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों से शस्त्र जमा कराने एवं शस्त्र के संबंध में प्राप्त आवेदन, शिकायत इत्यादि का निराकरण किए जाने हेतु जिले में अनुवीक्षण समिति का गठन किया गया है। समिति में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बलौदाबाजार-भाटापारा अध्यक्ष,पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा सदस्य, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी बलौदाबाजार-भाटापारा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा सदस्य सचिव एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बलौदाबाजार-भाटापारा सदस्य होंगे।

चोर को पकड़वाने में मदद करने वाले तीन ग्रामीणों को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

बलौदाबाजार-भाटापारा (आरएनएस)। जिले के कसडोल थानाक्षेत्र में हुई चोरी के मामले में चोर के बारे में जानकारी देने वाले तीन नागरिकों को पुलिस की ओर से सम्मानित किया गया है। तीनों को पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। बता दें कि प्रार्थी चोलेश साहु उर्फपिन्टु ग्राम छांछी के मकान मे अज्ञात चोर द्वारा घर में घुसकर, अंदर रखे सोने चांदी के आभुषण, नकदी रकम तथा घर के सामने खडी क्रेटा कार को चोरी किया गया था, जिस पर थाना कसडोल में धारा 331(3) 305(ए) बीएनएस का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की जांच एवं विवेचना के दौरान आरोपी दिलीप कुमार कश्यप को हिरासत मे लेकर, आरोपी से चोरी किये गये मशरूका में से 01 क्रेटा कार सीजी 22 डब्ल्यू 5289, सोने के जेवर, नकदी रकम, एक मोबाइल एवं स्मार्ट वाच सहित कुल किमती 11,01,900 को बरामद किया गया। इस संपूर्ण प्रकरण की जांच विवेचना में ग्राम कटगी निवासी योगेश यादव, रामस्वरूप यादव एवं हरिराम देवांगन के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने एवं उसकी पताशाजी करने में पुलिस टीम को सफ्लता मिली। जिसके बाद ग्राम छांछी में घटित चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले योगेश यादव रामस्वरूप यादव एवं हरिराम देवांगन के कार्यों की सराहना एवं प्रशंसा करते हुए दिनांक 21.01.2025 को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर इन्हें सम्मानित किया गया।

आपरेशन मुस्कान के तहत गुम नाबालिक बालिका को पुलिस ने किया बरामद

राजनांदगांव (आरएनएस)। जिले की डोंगरगांव पुलिस ने आपरेशन मुस्कान के तहत थाना डोंगरगांव क्षेत्र से लापता हुई नाबालिग बालिका को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। बता दें कि थाना डोंगरगांव में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर धारा-363 भा.द.वी. के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस की टीम द्वारा लगातार लापता बालिका की तलाश की जा रही थी। इस दौरान बालिका के गुण्डरदेही में होने की जानकारी मिलने पर दिनांक 21.01.2025 को नाबालिक बालिका को गुण्डरदेही से बरामद किया गया है। मामले में गुम बालिका कथन लेख कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

देश के विभिन्न हिस्सों से कला एवं संस्कृति प्रभाग के सदस्य पहुंचे रायपुर, वैश्विक संस्कृति अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना का हुआ शुभारंभ

ब्रह्माकुमारी चन्द्रिका दीदी ने कहा- प्रेम शान्ति और सद्भावना का सन्देश जन-जन तक पहुंचाना है

भारत को विश्व गुरू बनाने की दिशा में ब्रह्माकुमारीज का प्रयास सराहनीय : मोतीलाल साहू

भारत की पहचान यहाँ की संस्कृति से : पद्मश्री अनुज शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना वैश्विक संस्कृति-प्रेम-शान्ति एवं सद्भावना का छत्तीसगढ़ राज्य में आज शुभारम्भ (लांचिंग) किया गया। इस अवसर पर कला एवं संस्कृति प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्माकुमारी चन्द्रिका दीदी ने बतलाया कि वैश्विक संस्कृति-प्रेम-शान्ति और सद्भावना विषयक यह परियोजना तीन वर्षीय प्रोजेक्ट है। हरेक के मन में प्रेम का दीपक जगाना ही इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। स्वयं से प्रेम करना सीखें। दूसरों से प्यार की अपेक्षा न रखें? आजकल लोग एक गलती करते हैं कि दूसरों से अपनी तुलना कर बैठते हैं। इस संसार में हरेक के गुण, स्वभाव और विशेषताएं अलग हैं। ईश्वर ने सबको एक समान नहीं बनाया है। फिर हम परस्पर तुलना क्यों करते हैं? तुलना करने से हीन भावना आती है जो कि

डिप्रेशन की शुरूआत है। देखना है तो एक दूसरे की विशेषताएं देखो। इस परियोजना के अन्तर्गत समय-समय पर वर्कशाप, सम्मेलन, कल्चरल कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाएंगे।

विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि हमारा देश हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है जिसके कारण पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। वह लोग यहाँकी कला और संस्कृति को अपनाने के लिए लालायित हैं। वैश्विक शान्ति के लिए हम सबको अपने स्तर पर व्यक्तिगत प्रयास करने की जरूरत है। हमारा संकल्प है कि हमारा देश विश्व गुरू बने और विश्व शान्ति के लिए पहल करे तो उसके लिए हमें भी अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने परियोजना की सफलता के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रयासों से भारत देश को विश्व गुरू बनाने की दिशा में अवश्य ही मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ी फिल्मों के लोकप्रिय हीरो एवं विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने कहा कि यहाँ के रग-रग में कला, संस्कृति और नृत्य बसता है। छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। वनवास के दौरान सबसे अधिक समय उन्होंने यहाँ गुजारा था। यह महान कवि कालिदास और स्वामी विवेकानन्द की तपस्या भूमि रही है। इसलिए इस धरती से वैश्विक संस्कृति परियोजना का शुभारम्भ करना अच्छी शुरूआत है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज की सराहना करते हुए कहा कि लोगों को सुसंस्कारित करने का महान कार्य यह संस्था कर रही हैं। आप सिर्फ अध्यात्म की ही नहीं अपितु देश के उत्थान की बात भी करती हैं। आपके सान्निध्य मात्र से शान्ति और सुकून महसूस होता है।

क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति दैव संस्कृति थी लेकिन पाश्चात्य प्रभाव में आकर संस्कारों में विकृति आ गयी है। अब हमें एक दो में प्रेम और शान्ति का भाव जगाना होगा। इससे ही लोगों में सद्भावना आएगी।

रात्रि 10 से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्ण रूप से निषिद्ध

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के लिए जारी अधिसूचना के साथ ही जिले में निर्वाचन होने वाले ग्रामीण क्षेत्रों तथा नगरीय क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दीपक सोनी ने शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 4 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा नगरीय क्षेत्रों में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जाना अथवा करवाया जाना पूर्ण रूप से निषिद्ध किया है।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग चुनाव प्रचार के लिए वाहनों पर एवं चुनावी सभाओं में प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ही किया जा सकेगा, किंतु ऐसे ध्वनि विस्तारक यंत्र साधारण किस्म के होंगे एवं मध्यम आवाज में ही प्रयोग किए जाएंगे। लोग शांति को देखते हुए लंबे चोंगे वाले लाउडस्पीकर का प्रयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। वाहनों पर एवं चुनावी सभाओं में एक से अधिक लाउडस्पीकर, समूह में लगाया जाना भी प्रतिबंधित किया गया है। चुनावी सभाओं एवं चुनाव प्रचार करने के लिए वाहनों में ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाने के लिए संबंधित अनुविभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी से लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त कर किया जा सकता है। परन्तु शैक्षणिक संस्थाओं, चिकित्सालयों, नर्सिंग होम, न्यायालय परिसर, शासकीय कार्यालय, छात्रावास, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, जनपद पंचायत एवं अन्य स्थानीय निकाय कार्यालय, बैंक, पोस्ट, ऑफिस, दूरभाष केंद्र आदि से 200 मीटर की दूरी के भीतर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सामान्य स्थिति में भी पूर्णता प्रतिबंधित किया गया है।

कुरूद लोहिया रोड़ पर हो रहे अवैध अतिक्रमण पर निगम की टीम ने की बेदखली कार्यवाही

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के वैशाली नगर जोन क्रमांक 02 अंतर्गत निगम की टीम ने अवैध अतिक्रमण पर बेदखली कार्यवाही की गई। कुरूद लोहिया रोड़ में नवनिर्मित मकान के मालिक द्वारा शासकीय भूमि में अपने घर के सामने अवैध रूप से सेप्टिक टेंक बनाकर कब्जा किया गया था। जिसे प्राप्त शिकायत के आधार पर जोन क्रमांक-02 के राजस्व अमले ने पुलिस बल की मौजूदगी में बेदखल किया।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के दिये गये निर्देश पर कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत के आधार पर जोन-2 के राजस्व अमले ने कुरूद लोहिया रोड में घर के सामने सड़क से लगाकर बनाये गये सेप्टिक टेंक को जे.सी.बी के माध्यम से ध्वस्त किया गया। प्राप्त शिकायत के अनुसार वार्ड 21 कुरूद में दिनेश सिंह द्वारा अपने घर के बगल में बना रहे मकान मालिक द्वारा शासकीय भूमि पर सेप्टिक टेंक अवैध रूप से बनाये जाने की शिकायत की गई थी। जिसे मंगलवार को बेदखली की कार्यवाही जोन-2 के राजस्व अमला द्वारा किया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, वार्ड प्रभारी अरूण सिंह, कृष्ण कुमार सुपैत, गुसानंद तिवारी, हरि ताम्रकार, मदन मोहन तिवारी, जागेश्वर पटेल, अमीत कोसरे, प्रतीक तिवारी, तोड फोड दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता, मंगल बंजारे, कन्हैया यादव आदि उपस्थित रहे।

आचार संहिता लगते ही निगम क्षेत्र में लगे राजनैतिक बेनर, पोस्टर, फ्लेक्स हटाने की कार्यवाही शुरू

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड एवं वार्ड क्रमांक 35 शारदा पारा केम्प 2 में पार्षद चुनाव कराया जाना है। शासन द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद निर्वाचन नियमावली के तहत नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में संपत्ति विरूपण अधिनियम का पालन किया जा रहा है। जिसके तहत दोनो वार्ड क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए राजनैतिक बेनर, पोस्टर, फ्लेक्स की जप्ती तथा दीवार लेखन की पोताई के साथ निगम की टीम कार्यवाही कर रही है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन आयुक्त, को निर्देशित किये है, कि निजी भवनों में हुए दीवार लेखन को हटाने से पूर्व भवन मालिक से अनुमति पत्र जॉच लेवे। दोनो वार्ड क्षेत्र में संपत्ति विरूपण अधिनियम अंतर्गत लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। जोन कार्यालय का दल लगा हुआ है। कोई भी प्रचार सामग्री जिससे मतदाता प्रभावित हो लगाना निषेध है। यदि कोई राजनैनिक दल या उम्मीदवार लगाना चाहते है तो नियमानुसार निगम भिलाई के राजस्व विभाग, जनगणना शाखा से अनुमति लेनी होगी। अनुमति पश्चात नियमानुसार बैनर, पोस्टर लगा सकते है। यदि व्यक्ति आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता है या बिना अनुमति के विज्ञापन बोर्ड एवं दीवार लेखन करता है। तो उसके विरूद्ध निर्वाचन आयोग के तहत अनुशानात्मक कार्यवाही की जावेगी।

छत्तीसगढ़ चेंबर तथा एमएसएमई के संयुक्त तत्वाधान में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पा, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, ने बताया कि बताया कि चेंबर भवन आज में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा एमएसएमई के संयुक्त तत्वाधान में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया जो 24 जनवरी तक विभिन्न विषयों पर आयोजित होगी। आज बैठक में श्री एम राजीव जी, अधीक्षक, केंद्रीय जीएसटी विभाग तथा अभिनव दास जी, प्रबंधक, एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर दुर्ग, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के संयोजक और युवा चेंबर महामंत्री श्री कांति पटेल ने बताया कि आज चौधरी देवीलाल उद्योग भवन में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा एमएसएमई विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया जो 24 जनवरी तक चलेगा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए श्री पटेल जी ने बताया कि आज कार्यक्रम में अभिनव दास जी, प्रबंधक, एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर दुर्ग द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों एवं पदाधिकारियों को एमएसएमई से संबंधित नवीन औद्योगिक इकाई लगाने हेतु तकनीकी जानकारी दी तत्पश्चात श्री एम राजीव जी, अधीक्षक, केंद्रीय जीएसटी विभाग ने ई-वे बिल और जीएसटी इनपुट पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों द्वारा पूछे गए सवालों का निराकरण किया गया।

इस अवसर पर चेंबर उपाध्यक्ष जय नानवानी, मंत्री राजेंद्र खटवानी, दिलीप इसरानी, संगठन मंत्री दीपक विधानी, युवा चेंबर महामंत्री कांति पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हिमांशु वर्मा, उपाध्यक्ष जयेश पटेल, युवा कैट अध्यक्ष अवनीत सिंह, योगेश भानुशाली, जयराज गुरनानी, नितिन गोवानी, टेकराम सिन्हा, ललित कुमार महेश्वर, माला गुप्ता, आनंद कुमार गुप्ता, नरेश कुमार पटेल, प्रथम तलरेजा, दीपक नानवानी, सुभाष अग्रवाल, रौनक पटेल, निकुल पटेल, नरेश कुकरेजा, अजय अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, दर्शन जावेरी, राकेश लालवानी, नागेंद्र तिवारी, नरेंद्र सिंह, तरुण सरकार, नवीन जालान, पायल कन्नौजे, यश नानवानी, आदित गंगवानी, संदीप अग्रवाल, रमेश चंद जैन सहित व्यापारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर
(छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत, **इंद्रावंती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर** में स्थित **फ्लैट क्रमांक एल.आई.जी.-13, श्रीमती आशा चोपड़ा पति स्व. श्री अशोक कुमार चोपड़ा** को इस कार्यालय के **नामांतरण आदेश क्र. 116 दिनांक 12.10.2017** के माध्यम से नामांतरित किया गया है। उक्त फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 16.06.1998** को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है। वर्तमान में नामांतरी **श्रीमती आशा चोपड़ा पति स्व. श्री अशोक कुमार चोपड़ा, निवासी- एल.आई.जी.-13, इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर** के द्वारा आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा तथा पूर्व में आबंटी एवं **श्री गौरव शर्मा पिता श्री सुनील शर्मा के मध्य विक्रय अनुबंध दि. 20.02.2024 के निरस्तीकरण** संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्री सौरभ कुमार दास पिता स्व. पुरुषोत्तम दास, निवासी- 16/32, इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.)** प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मण्डल द्वारा निर्मित **अटल विहार योजना गोबरा नवापारा, रायपुर** में **एल.आई.जी भवन क्रमांक-522, श्रीमति श्वेता सोनी पति श्री राकेश सोनी एवं श्री राकेश सोनी पिता श्री तातू राम सोनी,** के नाम स्वविवेकीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय अभनपुर से **दिनांक 10.11.2020** को लीज डीड (पट्टा विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्रीमति श्वेता सोनी पति श्री राकेश सोनी एवं श्री राकेश सोनी पिता श्री तातू राम सोनी, निवासी: गोबरा नवापारा, तहसील- गोबरा नवापारा, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमति उमा गोस्वामी पति स्व.श्री तरूण कुमार गोस्वामी, निवासी: बी-01, मारूती रेसीडेंसी रोड, न्यू पियूष कालोनी, नेयर नरमदेश्वर मंदिर अमलीडीह रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल विहार योजना गोबरा नवापारा, स्थित **एल.आई.जी भवन क्रमांक-522,** के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./17229/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 16-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17229
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107E00350** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR S/O SUNDAR LAL SUNITA W/O RAJESH KUAMR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR S/O SUNDAR LAL SUNITA W/O RAJESH KUAMR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. सुनील पटेल 2.संगीता बेन पटेल 3.राजेश पटेल 4. संगीता पटेल** पिता / पति श्री/श्रीमती **1. केशव लाल पटेल 2. सुनील पटेल 3. राजेश पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 22 जनवरी 2025

कलेक्टर विलास भोसकर ने विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं पर किसानों से लिया फीडबैक

अम्बिकापुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर विलास भोसकर ने सोमवार को जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर सर्वप्रथम अम्बिकापुर के धान खरीदी केंद्र मेण्ड्राकला पहुंचे। उन्होंने यहां व्यवस्थाओं का अवलोकन किया,धान बेचने आए किसानों से मिलकर उन्होंने मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। वहीं नमी की जांच, बारदाने की उपलब्धता, टोकन वितरण प्रक्रिया के बारे में भी उन्होंने जानकारी लेते हुए किसानों को पर्याप्त सुविधाएं मुहैया करवाने निर्देशित किया। इसके बाद उन्होंने लखनपुर के धान खरीदी केंद्र लखनपुर, उदयपुर के धान खरीदी उपकेन्द्र जजगा एवं खरीदी केंद्र सलका का भी जायजा लिया। उन्होंने यहां भी किसानों से बात की और धान बेचने और राशि के भुगतान पर फीडबैक लिया। उन्होंने उपार्जन केंद्र लखनपुर में किसान सियम्बर ने बताया कि वो आज 46 क्विंटल धान लेकर आए हैं और यहां किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई। इस दौरान उन्होंने हमालों से भी बात की तथा पारिश्रमिक भुगतान के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने किसानों को माइक्रो एटीएम की सुविधा के सम्बन्ध में बताते हुए इसका लाभ लेने प्रेरित किया। कलेक्टर ने समिति प्रबन्धकों को कहा कि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो, इसका ध्यान रहे। जजगा धान खरीदी उपकेंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर भोसकर ने किसानों से धान खरीदी की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। ग्राम कवलगिरी के किसान बंधन से बातचीत के दौरान बताया गया कि वे पहली बार धान बेच रहें हैं। कलेक्टर ने जब पूछा कि इतनी देरी से कैसे धान बेच रहे हैं, तो बंधन के द्वारा धान पंजीयन के दौरान रकबा प्रविष्टि में त्रुटि होना बताया गया। कलेक्टर से जब पूछा कि रकबा संशोधन के सम्बन्ध में किसी प्रकार के पैसे तो नहीं देने पड़े, किसान ने बताया कि इस हेतु पटवारी द्वारा रकबा संशोधन की एवज में एक हजार रुपए लिए गए हैं। कलेक्टर ने एसडीएम उदयपुर बनसिंह नेताम को पटवारी हल्का नम्बर-8 चैनपुर नारायण सिंह के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए, तत्काल निलंबित करने निर्देशित किया। वहीं किसान को उसकी राशि वापस दिए जाने निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

नवपदस्थ पुलिस चौकी प्रभारी संतोष सिंह ने बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)--बस्तामुक्त विद्यालय माध्यमिक शाला रुनियाडीह में करंजी चौकी के नवपदस्थ प्रभारी संतोष सिंह द्वारा बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। क्षेत्र के प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में करंजी चौकी प्रभारी संतोष सिंह द्वारा सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत यातायात के नियमों को बताया गया। संस्था में मां सरस्वती की छायाचित्र की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपने बताया कि दो पहिया वाहन में दो से अधिक सवारी नहीं बैठाना है, वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार की नशा सेवन नहीं करना है तथा धारित क्षमता से अधिक लोगों को नहीं बैठना है, दो पहिया वाहन में दोनों सवारियों को हेलमेट पहनना है तो वहीं चार पहिया वाहन सहित कार चलाते समय बेल्ट का उपयोग निश्चित तौर पर करना और निर्धारित स्पीड में ही वाहन चलाना है। आपने उपस्थित बच्चों को घरों में अपने अभिभावकों को यातायात के नियमों को बताने एवं उनका पालन करने की हिदायत दी तथा कहा कि सड़क दुर्घटना में अधिकांश वही लोग जान गवांते हैं जो एक्सीडेंट के समय, सर पर हेलमेट धारण नहीं किए होते अर्थात सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों में 80न से अधिक लोग सर पर गंभीर चोट लगने से होती है, यदि हम हेलमेट धारण करें तो एक्सीडेंट होने की स्थिति में भी हमारे सर पर गंभीर घाव लगने से बचा जा सकता है। आपने उपस्थित बच्चों को नशे से दूर रहने, घर पर बड़े भाई, चाचा, पापा इत्यादि जनों को नशे के दुष्परिणामों को बताते हुए नशा न करने को कहने हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित बच्चों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान करंजी चौकी से प्रधान आरक्षक जयप्रकाश कुजूर, आरक्षक चंदेश्वर राजवाड़े तथा महिला आरक्षक नमिता भगत उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी, संस्था के पूर्व एसएमसी अध्यक्ष अमरेश राजवाड़े, शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, मध्याह्न भोजन सहायिका सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया सहित बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री अजय विश्वकर्मा, विभिन्न विभाग के मंत्री रिंकी राजवाड़े, सुनीता राजवाड़े, रजवंती, कलावती, चित्रकुमारी, दीपक व समीर देवांगन सक्रिय रहे। आज संस्था में दर्ज 73 बच्चों में 69 बच्चे उपस्थित रहे।

जिले में 25 जनवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाया जाएगा।

अधिकारियों के नामांकन के सहयोग हेतु अधिकारी व कर्मचारियों की लगाई गई ड्यूटी

सूरजपुर -नगरपालिकाओं के आम निर्वाचन 2025 हेतु नगरपालिका परिषद सूरजपुर के लिए रिटर्निंग आफिसर/सहायक रिटर्निंग आफिसर की नियुक्ति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा की गई है। अधिकारियों के नामांकन किये जाने में सहयोग के लिए श्री मनोज कुमार झा, श्री केशव दास, श्री जोगेश्वर राजवाड़े, श्री अमित पड़वार, श्री धर्मेंद्र साहू, मो. शमशाद खान व श्री राजेश यादव की ड्यूटी रिटर्निंग आफिसर न्यायालय अपर कलेक्टर कक्ष सूरजपुर में लगाई है।

जिला पंचायत सीईओ नाग ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में अपने शिकायतों के समाधान के लिए आए आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्परता से निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को विभागवार संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए।

निर्वाचन की तैयारी को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद

कलेक्टर एस जयवर्धन हर दिन विभाग प्रमुखों को दे रहे हैं निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा निरंतर विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं। इस दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लगातार बैठक लेकर निर्वाचन की तैयारी का जायजा लिया जा रहा है एवं आवश्यकतानुसार निर्देश दिए जा रहे हैं। इस दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा निरंतर संपत्ति विरूपण निवारण की कार्यवाही की जा रही है।

निर्वाचन की तैयारी के क्रम में आज एसडीएम श्री सागर सिंह द्वारा नगर पंचायत भटगांव के स्ट्रांग रूम, काउंटिंग कक्ष, नाम निर्देशन हेतु न्यायालय तहसील कार्यालय भटगांव का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा जनपद पंचायत ओड़गी में नाम निर्देशन हेतु एआरओ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। साथ ही एसडीएम प्रतापपुर द्वारा प्रतापपुर में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की मीटिंग लेकर निर्वाचन की समय सारिणी अनुसार कार्य करने, आदर्श आचार संहिता का पालन किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

'प्रमुख अभियंता ने जल जीवन मिशन के कार्यों का किया निरीक्षण

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार अनुसार और उप मुख्यमंत्री अरूण साव के मार्गदर्शन में जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता टी डी शांडिल एवं अधीक्षण अभियंता के द्वारा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम बगिया , चराईडाड़ सोन क्यारी, लोरो, खमखेड़ा में प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्वक कार्य पूर्ण करने एवं जलप्रदाय शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्राम में पहुंचकर ग्राम वासियों को योजना के संचालन में पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने एवं व्यवधान रहित जलप्रदाय ग्राम वासियों को मिलता रहे इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों को समझाइए दी। जिले के ग्रामों में निरीक्षण के दौरान ग्राम वासियों को शासन की मंशा रूप योजनाओं का संचालन ग्राम वासियों के द्वारा ही किया जाए इसके लिए सलाह दी गई एवं ग्राम वासियों को उचित प्रशिक्षण देने हेतु विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में प्रस्तावित समूह जलप्रदाय योजनाओं के स्रोत स्थल मयाली डेम, हल्दी मुंडा, लावाकेरा, खमगेड़ा, तमता डेम, बड़ा बनाई पर बनाए जाने वाले इंटेक स्थल पर पानी की उपलब्धता के संबंध में निरीक्षण किया गया और विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर गुणवत्तापूर्वक समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बुजुर्ग भाई-बहन की हत्या मामले में बड़ा खुलासा, यूपी से गिरफ्तार हुए आरोपी

रायगढ़(विश्व परिवार)। रायगढ़ शहर में 13 जनवरी को हुए दोहरे हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बुजुर्ग भाई-बहन की घर में जघन्य हत्या करने वाले आरोपियों को पुलिस ने उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी चोरी की नियत से बुजुर्ग सीताराम जायसवाल और अन्नपूर्णा जायसवाल के घर में घुसे थे। इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों में एक युवती और दो युवक शामिल हैं। मृतक भाई-बहन कई सालों से पुरानी हटरी मार्केट क्षेत्र स्थित अपने घर में अकेले रह रहे थे, जब उनकी अज्ञात आरोपियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है, जिससे मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

गांजा तस्करी करते दो आरोपी मौके से फरार एक चड्ढा गांजा के साथ पुलिस के हत्थे

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर (ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार)-गांजा कि तस्करी कर रहे कार में सवार तीन आरोपियों को जयनगर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान घेराबंदी की परंतु दो मौके से फरार हो गए तथा एक पुलिस के हत्थे चढ़ा जिसके पास से साढे चार लाख रुपए कीमत की करीब 15 किलो गांजा पुलिस ने जप्त की। जानकारी के अनुसार ग्राम पार्वतीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर जयनगर पुलिस थाना के टी नरेंद्र सिंह अपने दल बल के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे इसी बीच पुलिस को देख दो आरोपी मौके से फरार हो गए जिसमें एक आरोपी संजय यादव पिता कैलाश यादव 19 वर्ष ग्राम टूरुआमा जशपुर थाना पत्थलगांव को 15 किलो गांजा के साथ धर दबोचा ।पुलिस ने आरोपी संजय यादव से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके साथी दो और थे जो पुलिस को देखकर भाग निकले। बाहर हाल पुलिस ने 15 किलो गांजा के साथ गंज तस्करी में प्रयुक्त होने वाली कार सीजी 15 व 6959 को जप्त कर आरोपी के खिलाफ 20 बी 29 एनडीपीएस की कार्रवाई की है ।आरोपी के घेराबंदी में थाना प्रभारी टीआई नरेंद्र सिंह ,सहायक उप निरीक्षक विशाल मिश्रा, प्रधान आरक्षक रवि शंकर पांडे, आरक्षक दीपक दुबे, विकास मिश्रा, राजेंद्र एक्का सहित सैनिक नोहर राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सूरजपुर औषधि विक्रेता संघ का मेघा रक्तदान शिविर 24 जनवरी को

संघअपना राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर किया है आयोजन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर औषधि विक्रेता संघ आगामी 24 जनवरी को अपने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी शिंदे के 75 वे जन्मदिवस पर मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया है।

उक्त संबंध में जिला औषधि विक्रेता संघ सूरजपुर के अध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल सचिव अमूल्य चंद्र ,कोषाध्यक्ष राजेश कुमार जायसवाल ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन सूरजपुर जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखकर ब्लड बैंक में स्थान देने की गुजारिश की है ।संगठन के इन पदाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लिखें अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सूरजपुर औषधि विक्रेता संघ ने निर्णय लिया है कि अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी शिंदे जी के 75 वे जन्मदिन के महत्वपूर्ण अवसर पर राष्ट्रव्यापी रक्त दान शिविर का आयोजन करेगी इसी कड़ी में सूरजपुर रक्तदान शिविर 24 जनवरी के शुक्रवार को प्रात: 10 बजे से संध्या 6 बजे तक आयोजित रहेगा। संगठन ने इसके लिए संबंधित चिकित्सालय के रक्त बैंकों को शिविर के दौरान रक्त एकत्र करने की व्यवस्था करने का आग्रह किया है ताकि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में स्वस्थ योगदान दिया जा सके।

बहरहाल इस मेगा रक्तदान शिविर को सफल संचालन में औषधि विक्रेता संघ के कार्यकर्ता तैयारी में जुट गए है। इस संबंध में संगठन के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने बताया कि औषधि विक्रेता संघ के सदस्यों के साथ-साथ आम जन भी रक्तदान शिविर में अपनी सहभागिता दे कर राष्ट्र की सर्वांगीण विकास में जरूरतमंदों को रक्त प्रदान कर महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर सकते है। श्री अग्रवाल ने आम जनों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर रक्तदान देने वाले इच्छुक व्यक्ति को आमंत्रित किया है। इस दौरान रक्त देने वाले रक्त वीरों को प्रमाण पत्र के साथ-साथ रक्तदान रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

कार्य में लापरवाही बरतने वाला पटवारी निलंबित

अंबिकापुर(विश्व परिवार)। शासकीय कार्यों में लापरवाही के चलते पटवारी नारायण सिंह पर गाज गिरी है. तहसील उदयपुर के हल्का पटवारी नारायण सिंह, जो हल्का नंबर-8 चैनपुर में पदस्थ हैं, उन्हें शासकीय कार्यों में लापरवाही और कदाचार के कारण निलंबित कर दिया गया है. यह कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) उदयपुर ने की है.प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटवारी नारायण सिंह पर ग्राम कवलगिरी के कृषक बंधन से रकबा संशोधन कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने का आरोप है. साथ ही उन पर कृषक से एक हजार रुपये लेने का भी आरोप है. पटवारी का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम 03 (1) की कंडिका (ड) एवं (च) के विपरीत पाया गया. पटवारी का यह कृत्य शासकीय कार्यों में लापरवाही और उदासीनता को दर्शाता है, जो कदाचार की श्रेणी में आता है. इस मामले में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 09 के तहत नारायण सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 22 जनवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

एचएमपीवी वायरस की शहर में दहशत

कर्नाटक में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवी के दो मामलों की पुष्टि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार तीन महीने की बच्ची को ब्रोंकोन्यूमोनिया की शिकायत थी, जांच में एचएमपीवी संक्रमित होने का पता चला। दूसरा आठ महीने का शिशु इससे संक्रमित पाया गया। हालांकि दोनों मरीजों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान आंकड़ों से पता चला गंभीर तीव्र सन बीमारी के मामले में कोई असामान्य वृद्धि नहीं पाई गई। सरकार की संक्रमण के मामलों पर गंभीर नजर बताई जा रही है। कोविड-19 महामारी के विश्व को चपेट में लेने के पांच सालों बाद एचएमपीवी वायरस के चीन में तेजी से फैलने की खबरों की दहशत के असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट आ गई। एचएमपीवी संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने से यह वायरस फैल रहा है। संक्रमित के खांसने-छींकने, छूने और हाथ मिलाने से यह बढ़ रहा है। इस संक्रमण की खोज 2001 में की जा चुकी है। यह रेस्पेरेटरी संकाइटियल वायरस के साथ न्यूमोविरिडे का भी हिस्सा बताई जा रही है। चीन समेत नीदरलैंड, फिनलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में 2023 में इसके संक्रमित मिल चुके हैं। भारत सरकार का कहना है कि मौसम को देखते हुए यह स्थिति असामान्य नहीं है। सरकार ने वायरस की गंभीरता को भांपते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन से चीन की स्थिति के विषय में अपडेट देने को भी कहा है। विशेषज्ञ इसे अभी जानलेवा वायरस नहीं बता रहे हैं जो छोटे बच्चों में आम है। जिन्हें अस्थमा है या फेफड़ों से संबंधी कोई गंभीर बीमारी है, उन्हें चेतावनी दी गई है। इससे बचाव के लिए लगातार हाथ धोने, मास्क पहनने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी जा रही है। एंटी वायरल दवाएं बगैर चिकित्सकीय सलाह के लेने के प्रति चेतावनी भी दी गई है। कोविड संक्रमण से खौफजदा लोगों में आकस्मिक भय व्याप्त है, जिसे दूर करने की जिम्मेदारी मीडिया और चिकित्सकों को गंभीरता से निभानी चाहिए। शेयर बाजार का गिरना और कोविड की पुरानी तस्वीरों/वीडियो को वायरल कर दहशत फैलाने वालों को भी चेतावनी दी जानी चाहिए।

स्वामित्व योजना के तहत बनाए संपत्ति कार्ड द्वारा सह स्वामित्व के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण....

सुशील कुमार लोहानी-अपर सचिव,पंचायती राज मंत्रालय

18 जनवरी, 2025 को लगभग 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्डों का वितरण, ग्रामीण सशक्तिकरण और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में भारत की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह पहल, संपत्ति के अधिकारों को मजबूत करने और समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं और समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक समृद्ध और विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत में ग्रामीण महिलाएँ कृषि, घरेलू प्रबंधन और सामुदायिक जीवन का केंद्र रही हैं। उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, प्रणालीगत बाधाओं ने उन्हें उस भूमि की कानूनी मान्यता से वंचित कर दिया है, जिस पर वे खेती करती हैं और जिसकी देखभाल करती हैं। इस असमानता ने महिलाओं की वित्तीय संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता तक पहुँच को बाधित कर दिया है, जिससे आर्थिक और लैंगिक असमानताएँ अभी तक मौजूद हैं।

स्वामित्व योजना आधिकारिक तौर पर महिलाओं को भूमि के सह-स्वामी के रूप में मान्यता देकर इस आख्यान को नया रूप दे रही है। यह परिवर्तनकारी पहल, महिलाओं को पारिवारिक संपत्ति में समान हिस्सेदारी की सुविधा देती है तथा उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाती है। यह लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण भारत में, भूमि स्वामित्व वित्तीय मूल्य से परे है - यह सामाजिक स्थिति और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। संपत्ति के अधिकार के बिना, महिलाओं को अक्सर वित्तीय अस्थिरता, विस्थापन और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। कानूनी भूमि अधिकार प्रदान करके, स्वामित्व योजना महिलाओं को भूमि उपयोग, पहुँच और संसाधनों के संबंध में सुरक्षा और निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। योजना के सबसे प्रभावशाली परिणामों में से एक है - महिलाओं को मिली वित्तीय स्वतंत्रता। भूमि स्वामित्व ऋण, क्रेडिट और बीमा जैसी वित्तीय सेवाओं तक पहुँच को सक्षम बनाता है, जो पहले औपचारिक भू-स्वामित्व के बिना संभव नहीं थे। यह पहुँच महिलाओं को अपने परिवार के भविष्य में निवेश करने और वित्तीय स्थिरता स्थापित करने की सुविधा देती है। संपत्ति में महिलाओं को सह-स्वामियों के रूप में शामिल करने से, ग्रामीण महिलाओं के पास अब ऋण प्राप्ति के लिए गिरवी के रूप में अपनी भूमि का उपयोग करने की क्षमता है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थानीय अधिकारियों ने महिलाओं को संपत्तियों का सह-स्वामी बनने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप, महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से या पूर्ण स्वामित्व वाली आवासीय संपत्तियों का प्रतिशत आश्चर्यजनक रूप से 16त्न से बढ़कर 88त्न हो गया। इस बदलाव ने महिलाओं को ऋण प्राप्त करने, व्यवसाय शुरू करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के साथ-साथ संपत्ति विवादों को कम करने और आर्थिक स्थिरता को बढ़ाने के प्रति सशक्त बनाया है। इसी तरह, मध्य प्रदेश में, राज्य के भू राजस्व संहिता के तहत सह-स्वामी के रूप में महिलाओं को शामिल करने के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। हरदा की श्रीमती शालिया सिद्दीकी जैसी महिलाओं ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड प्राप्त करने से कैसे उनकी भूमि सुरक्षित हुई और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी समर्थन प्राप्त हुआ। इस सशक्तिकरण ने ऋण, कृषि सहायता और अन्य वित्तीय संसाधनों तक पहुँच को सक्षम किया है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। वित्तीय और कानूनी सशक्तिकरण से परे, यह योजना एक महत्वपूर्ण सामाजिक उपलब्धि है। कई महिलाओं के लिए, संपत्ति का स्वामित्व परिवारों और समुदायों में सुरक्षा, मान्यता और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है। यह उन सांस्कृतिक मानदंडों को चुनौती देता है, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को संपत्ति से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर रखा है। इस योजना के जरिये महिलाओं को घरेलू और सामुदायिक शासन में सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाया गया है। भूमि अधिकारों को सुरक्षित करके, स्वामित्व योजना गहरी जड़ें जमाए लैंगिक पूर्वाग्रहों का समाधान करती है और महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सशक्त बनाती है। कानूनी मान्यता परिवारों और समाज के भीतर उनकी स्थिति को मजबूत करती है, घरेलू संसाधनों पर अधिक नियंत्रण प्रदान करती है और संपत्ति विवादों के दौरान विस्थापन या अधिकारों के उल्लंघन के जोखिम को कम करती है। वित्तीय या व्यक्तिगत संकट के दौरान, भूमि स्वामित्व एक अतिरिक्त सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है, जो महिलाओं को अपने अधिकारों का दावा करने और अपनी आजीविका सुरक्षित करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, यह योजना संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुरूप है, विशेष रूप से लक्ष्य 1, जिसका उद्देश्य गरीबी को समाप्त करना है, और उप-लक्ष्य 1.4.2, जो महिलाओं सहित कमजोर समूहों के लिए कार्यकाल सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर देता है। महिलाओं को संपत्ति के मालिकों के रूप में मान्यता देकर, स्वामित्व योजना इन वैश्विक लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देती है तथा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देती है।

सुरक्षित भूमि अधिकारों के लाभ व्यक्तिगत घरों से आगे जाते हैं। जिन महिलाओं के पास भूमि का मालिकाना हक़ होता है, वे वित्तीय सेवाओं तक पहुँचने, अपने परिवारों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने और लैंगिक हिंसा को कम करने की दृष्टि से बेहतर स्थिति में होती हैं। सशक्त भूमि मालिक आर्थिक विकल्पों पर स्वायत्तता प्राप्त करते हैं, उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार होता है और वे सामुदायिक मामलों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इससे एक क्रमिक प्रभाव पैदा होता है, महिलाएँ अपने समुदायों में फिर से निवेश करती हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करती हैं और सतत विकास को बढ़ावा देती हैं।

इस योजना की सफलता महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है, जहाँ इसके कार्यान्वयन के ठोस लाभ सामने आये हैं। 13 राज्यों ने पहले ही संपत्ति में महिलाओं के सह-स्वामित्व को अपना लिया है, उम्मीद है कि अन्य राज्य भी इसका अनुसरण करेंगे, जिससे ग्रामीण भारत में इस योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव का विस्तार होगा। योजना के कार्यान्वयन ने 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। 67,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 3.17 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। इस व्यापक मानचित्रण से अनुमान लगाया गया है कि भूमि का आर्थिक मूल्य 132 लाख करोड़ रुपये है, जो योजना की ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को बदलने की क्षमता को प्रदर्शित करता है। भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने विज़न की ओर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण क्षमता-प्रदाता के रूप में कार्य कर रही है। संपत्ति के अधिकारों को औपचारिक रूप देकर, ऋण प्रणालियों तक पहुंच को सक्षम करके और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर, यह योजना समावेशी विकास के लिए एक मजबूत आधारशिला रखती है। आधुनिक जीआईएस तकनीक और सटीक भूमि रिकॉर्ड का उपयोग, विकास कार्यक्रमों का समर्थन करता है और ग्रामीण शासन को मजबूत करता है।

एक ही दिन में 65 लाख संपत्ति कार्डों का वितरण, केवल दस्तावेजों के हस्तांतरण से अधिक है; यह ग्रामीण नागरिकों को सशक्त बनाने और भारत की विकास यात्रा में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विकसित भारत के विजन में सार्थक योगदान देने के लिए ग्रामीण समुदायों को आवश्यक उपकरणों और संसाधनों से लैस करके, स्वामित्व योजना आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक न्यायसंगत और समृद्ध ग्रामीण भारत का निर्माण कर रही है। निष्कर्ष के तौर पर, यह कहा जा सकता है कि स्वामित्व योजना केवल एक नीति नहीं है, बल्कि एक परिवर्तनकारी पहल है, जो बाधाओं को तोड़ती है, महिलाओं को सशक्त बनाती है तथा सामाजिक और आर्थिक बदलाव को गति देती है। महिलाओं को एक मजबूत आवाज, अधिक वित्तीय स्वतंत्रता और उज्ज्वल भविष्य देकर, यह योजना एक शक्तिशाली उदाहरण पेश करती है कि कैसे कानूनी सुधार समावेशी विकास को उत्प्रेरित कर सकते हैं और अधिक न्यायसंगत समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आलेख

उम्मीद से अधिक हुई फसल सुनहरे कल की उम्मीदों पर पानी फेर देती है

पंकज चतुर्वेदी

झारखंड के लातेहार जिले में बालूमाथ और बारियातू के इलाके दो किस्म के टमाटर की खेती के लिए मशहूर हैं-एक है मोटे छिलके वाला गुलशन जिसका इस्तेमाल सब्जी विशेष तौर पर सलाद के रूप में किया जाता है। वहीं सलेक्शन नामक किस्म के टमाटर के छिलके की परत नरम होती है। इसका इस्तेमाल सब्जी, चटनी और टोमैटो कैचअप के लिए किया जाता है। कुछ साल पहले तक टमाटर की लाली यहां के किसानों के गालों पर भी लाली लाती थी, लेकिन इस साल हालत यह है कि फसल तो बंपर हुई लेकिन लागत तो दूर, तोड़ कर मंडी तक ले जाने की कीमत तक नहीं निकल रही। रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदग्गा में जिन किसानों ने टमाटर उगाए या फिर पत्ता या फूल गोभी या फिर पालक, वे ट्रैक्टर से रौंद कर अपनी खड़ी फसल खुद ही चौपट कर रहे हैं। गोभी के दाम हैं दो से चार रु पये तो टमाटर के हैं दो रु पये। इतने में तुड़ाई भी निकलती है, फिर मंडी तक कौन ले जाए। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के हरवाई गांव में सुर्ख लाल टमाटर की फसल पर रोटवेलर चला कर गेहूं बोए जा रहे हैं। यहां किसानों ने 15 हजार रु पये बीघा पर खेत किराये पर लिए, फिर टमाटर बोए। पिछले महीने तो 400 रुपये क्रेट (25 किलो) एक बार बिका। फिर दाम 60 से 100 रु पये क्रेट गिर गए। अब 30 रु पये क्रेट तुड़ाई, 15 रु पये मंडी के पल्लेदार को, फिर परिवहन। आखिर, किसान कितना घाटा सहे! मध्य प्रदेश के बड़वानी में टमाटर मवेशी खा रहे हैं। दिल्ली और उसके आसपास भले ही बाजार में टमाटर के दाम 40 रुपये किलो हों लेकिन टमाटर उगाने के लिए मशहूर देश के विभिन्न जिलों में टमाटर कूड़े में पड़ा है। छत्तीसगढ़ के टमाटर किसान तो जलवायु परिवर्तन की अजब मार झेल रहे हैं, और उन्हें फसल खेत में नष्ट करनी पड़ रही है। दुर्ग जिले में पहले तो चक्रवाती तूफान के चलते कोई 15 दिन बदली हुई, फिर अचानक जाड़ा बढ़ गया। इससे टमाटर तेजी से पकने लगे। जब पके टमाटर की आवक ज्यादा हुई तो दाम गिर गए। यहां प्राय: इतनी ठंड पड़ती नहीं। अब टमाटर समय से पहले पक रहे हैं, न तोड़ो तो गिर जाते हैं। मजबूर किसान फसल नष्ट कर रहा है। करीबी राज्य तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के हालात भी अलग नहीं हैं। यहां मेडक के शिवमपेट में टमाटर की तैयार फसल को आग लगाने की सैकड़ों घटनाएं हो चुकी हैं। विदित हो टमाटर 15-27 डिग्री के बीच के तापमान में सबसे अच्छे से उगते हैं तथा इसके लिए माकूल औसत मासिक तापमान 21-23 होता है। 32 डिग्री से अधिक तापमान फल लगने और उसके विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। दक्षिणी राज्यों में जलवायु परिवर्तन से प्रभावित टमाटर की खेती में सफेद फंगस और पत्ती में छेद करने वाले कीट की दिक्कत ने पहले से ही कीटनाशक का खर्च बढ़ाया था। फसल अच्छी हो गई तो बाजार में दाम नहीं मिलने से किसान कर्ज में दब गया। हालांकि न तो यह पहली बार हो रहा है, और न ही टमाटर के साथ हो रहा है। उम्मीद से अधिक हुई फसल सुनहरे कल की उम्मीदों पर पानी फेर देती है-घर की नई छप्पर, बहन की शादी, माता-पिता की तीर्थ-यात्रा; न जाने ऐसे कितने ही सपने वे किसान सड़क पर कैश क्रॉप' कहलाने वाली फसल के साथ फेंक आते हैं। साथ होती है तो केवल एक चिंता-खेती के लिए बीज, खाद के लिए लिए गए कर्ज को कैसे उतारा जाए? पूरे देश की खेती-किसानी अनियोजित, शोषण की शिकार और किसान विरोधी है। तभी हर साल देश के कई हिस्सों में अफरात फसल को सड़क पर फेंकने और कुछ ही महीनों बाद उसी फसल के लिए त्राहि-त्राहि की घटनाएं होती रहती हैं। किसान मेहनत कर सकता है, अच्छी फसल दे सकता है, लेकिन सरकार में बैठे लोगों को भी उसके परिश्रम के माकूल दाम, अधिक माल के सुरक्षित भंडारण के बारे में सोचना चाहिए। हर दूसरे-तीसरे साल कर्नाटक में कई जिलों के किसान अपने तीखे स्वाद के लिए मशहूर हरी मिर्च को सड़क पर लावारिस फेंक कर अपनी हताशा का प्रदर्शन करते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में कभी टमाटर तो कभी अंगूर, कभी मूंगफली तो कभी गोभी किसानों को ऐसे ही हताश करती है।

अहिच्छत्रा से प्राप्त प्राचीनतम जैन पुरावशेष

अहिच्छत्रा की गणना भगवान ऋषभदेव द्वारा निर्मित भारत के प्राचीन 52 जनपदो मे एक पांचाल जनपद की राजधानी के रूप मे मिलती है । महाभारत काल मे पांचाल दो भागो मे विभक्त हो गया जिसमे उत्तर पांचाल की राजधानी अहिच्छत्रा द्रोणाचार्य और दक्षिण पांचाल की राजधानी काम्पिल द्रुपद के अधिकार मे थी ।शतपत ब्राह्मण मे इसे परिचक्रा कहा गया है तो महाभारत मे छत्रवती, अहिछत्रा, अहिछेत्र तथा पाणिनि के अष्टाध्यायी और हरिवंश पुराण मे भी यही रूप पाए जाते हैं । जैन ग्रंथो मे इसे संख्यावती और अहिछेत्र कहा गया है । अहिछेत्र ही इसका सबसे महत्वपूर्ण नाम है जिसका उल्लेख (पभोषा) प्रयागराज के अशाढसेन के दो हजार वर्ष प्राचीन गुप्तलेख मे पाया गया है ।अहिछेत्र के ध्वंसावशेषो से प्राप्त एक गुप्त कालीन मिट्टी की मोहर पर (श्री अहिच्छत्रा भुक्तौ कुमारमात्याधिकरणस्य) लेख एवं एक यक्ष प्रतिमा पर भी अहिछत्रा उल्लेखित है ।

अहिछत्रा से जैन धर्म का संबद 23 वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ के द्वारा केवल ज्ञान प्राप्त करने से जुडा है जो तप करते समय उनके पूर्व जन्मो के बैरी कमठ द्वारा घनघोर वर्षा कर उपसर्ग करने पर नागराज धरणेंद्र और देवी पद्मावती (दो सर्पो) के द्वारा तपलीन पार्श्वनाथ की सर्पफण से रक्षा कर केवलज्ञ प्राप्त करने की स्मृति से जुडा है जैसा इसके नाम मे अहि(सर्प) छत्र से भी प्रतिबिंबित होता है । इस धटना की स्मृति मे उनकी मूर्तियां सर्पफण सहित बनाई गई ।साथ-साथ धरणेंद्र और पद्मावती के साथ एवं स्वतंत्र रूप से पूरे देश मे भी बनाई गई ।

यह घटना इतनी प्रसिद्ध हुई कि इसकी गूंज दक्षिण भारत तक उस काल मे पहुंच गई थी । इसका ऐतिहासिक समर्थन कल्लूरगुड्डु जिला शिमोगा मैसूर मे उपलब्ध सन् 1121 के शिलालेख (जै शि सं भा 2पृ410/11) से होती है जो सिद्धेश्वर मंदिर के पाषाण स्तंभ मे उल्लेखित है कि जब भगवान पार्श्वनाथ को अहिछत्र मे केवलज्ञान की प्राप्ती हुई थी तब यहां प्रियबंधु राजा राज्य करता था । वह भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन करने अहिच्छत्र गया था ।इसमे गंग वंशावली दी गई है और यह बहुत महत्वपूर्ण शिलालेख है ।

पार्श्वनाथ से अहिछत्रा संबद स्थापित करने वाला एक महत्वपूर्ण अभिलेख महाभारत कालीन किले के निकट कटारी खेला नामक एक टीले से प्राप्त स्तंभ लेख से भी होता जिसमे महाचार्य इंद्रनंदि के शिष्य महादरि के द्वारा पार्श्वपति (पार्श्वनाथ) के मंदिर मे दान देने का उल्लेख है । यह मंदिर गुप्त काल तक अवश्य रहा होगा इस किले और टीलो से कई जैन मूर्तियां मिली जिनमे कुछ को ग्रामवासी ग्राम देवता मानकर पूजते हैं ।इसका अस्तित्व गुप्त काल तक समाप्त हो गया होगा ।यहां कई मित्र वंशी शाषको के सिक्के मिले है जिनमे कई राजे जैन धर्मानुयायी थे । जिसका समर्थन यहां से प्राप्त विशाल पुरावशेषो से हो जाता है जिनका संग्रह स्थानीय मंदिर मे लखनऊ और दिल्ली के संग्रहालयो तथा पं सुरेंद्र मोहन मिश्रा जी के चंदौसी, पांचाल शोध संस्थान एवं अन्य संग्रहालयो मे संग्रहित है ।

अहिच्छत्रा के ध्वंसावशेषों से प्राप्त पुरावशेषो से ताम्रयुगीन मानवाकृतियां (हार्पून) भाले तलवार कडे आदि (2000 से 700 ई पूर्व) तथा पेंटेड ग्रे वेयर कहे जाने वाले बर्तनो के अवशेष (1500 से 700 ई पूर्व) प्राप्त हुए है जो इस नगर के चार हजार साल के इतिहास और पुरातात्व समझने मे सहायक है ।पांचाल से प्राप्त इन विशेष मृण मूर्ति कला को अहिछत्रा स्कूल ऑफ टेराकोटा आर्ट कहा जाता है ।

भारत की प्राचीनतम जैन प्रतिमा

प्राक् मौर्य कालीन (लगभग 700 ई पूर्व) की सप्त सर्पफण से सुशोभित पार्श्वनाथ सकी एक दुर्लभ मृण मूर्ति का शीर्ष प्राप्त हुआ है जो भारत मे प्राप्त अबतक के जैन अवशेषो मे सबसे प्राचीन है और अति दुर्लभ है । इसका चित्र डायरेक्टर आर्कलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (नई दिल्ली) कार्यालय के सौजन्य से विकीपीडिया से प्राप्त हुआ है । (चित्र 1) संभवत: इसी काल की एक पकी मिट्टी की मृण मूर्ति का कायोत्सर्ग खड्गासन अवस्था की पैर के नीचे एवं वक्ष के ऊपर से खण्डित है (चित्र 2) यह और कुछ अन्य मृण एवं पाषाण मूर्तिया और अवशेष पं सुरेंद्र मोहन मिश्रा के व्यक्गित संग्रहालय मे संग्रहित है । इसी प्रकार की मृण मूर्तियां अयोध्या, बनारस, कौशांबी, पिपहरवा, वैशाली आदि स्थानो से भी प्राप्त हुई है जिनमे अयोध्या से प्राप्त 4 सदी ई पूर्व की जिन केवलिन की खंडित मृण मूर्ती(चित्र 3) और बनारस की शुंग कालीन देवी अंबिका मृण मूर्ति(चित्र 4) को मैने ही प्रथम बार प्रकाशित कराया था ।इसी तरह की शुंग कालीन नागदेवी की मूर्ति मृण मूर्ति (जिसै संभवत: देवी पद्मावती की भी मानी जा सकता है (चित्र 5)उल्लेखनीय है । शुंग कालीन पकी मिट्टी का एक मृण्फलक जिसपर दो सर्पो की आक्रतियां बनी हैं (चित्र 6) जिसे संभवत नागराज धरणेंद्र और देवी पद्मावती की स्मृति रूप मे निर्मित किया गया होगा यह भी दर्शनीय है । कुछ यक्ष प्रतिमा? अज मुखी (बकरे के मुख) वाली मिलती है जिनको विद्वान नैगमेश के रूप मे देखते है जिनका उल्लेख श्वेतांबर जैन परंपरा मे महावीर के भ्रूण प्रत्यारोपण करने वाले देव के रूप मे हुआ है । इसी क्रम मे पं सुरेंद्र मोहन मिश्र के व्यक्गित संग्रहालय मे इनके साथ ही शुंग कालीन पाषाण का खड्गासन धड जो गर्दन और पैरों से खंडित है (चित्र 7) । एक गुप्त कालीन पद्मासन तीर्थंकर किसी मंदिर के स्तंभ का भाग है (चित्र 8) । एक अन्य शीर्ष विहीन पाषाण पद्मासन मध्यकालीन मूर्ति (चित्र 9) एक प्रस्तर प्रतिमा पर प्रभामंडल के साथ किन्नर देव एवं हस्तिसवार अंकित है ।अहिछेत्र नाम सर्पफण और पार्श्वनाथ से संबंधित मूर्तियां देशभर मे ई पूर्व काल से ही मिलते है जिनमे इन सबके साथ ही दो हजार साल से भी प्राचीन (चित्र10) मुंबई, अलुवारा, लखनऊ, मथुरा आदि की इन मूर्तियो से तथा पभोषा अहिछत्रा 11आदि के अभिलेखो एवं पुरावशेसो से इस विषय का ऐतिहासिक समर्थन होता है ।

--शैलेंद्र कुमार जैन, लखनऊ

अध्यक्ष-श्री आदिनाथ मेमोरियल ट्रस्ट

विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान

गिरीश चन्द्र पाण्डे

इस बार 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन 8-10 जनवरी, 2025 तक ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में किया गया। भुवनेर में संपन्न इस 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 75 देशों से लगभग छह हजार भारतवंशियों ने शिरकत की। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने इस मौके पर लैंगिक समानता और महिला विकास को भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अभिन्न अंग बताया। उनका यह कहना भी सही था कि ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मेजबानी केंद्र सरकार की पूर्वोदय' नीति को दर्शाती शर्ती है, जो पूर्वी भारत के विकास और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करती है। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन केंद्र सरकार का महत्त्वकपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे 9 जनवरी को महात्मा गांधी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। दरअसल, प्रवासी भारतीय सम्मेलन की अवधारणा पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मस्तिष्क की उपज थी जिसकी शुरु आत उन्होंने 17 वर्ष पहले की थी। वाजपेयी को उस वक्त प्रवासी भारतीयों की बहुत याद आई जब 1998 में पोखरण में परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से अनुरोध किया कि वह भारत की मदद करें ताकि भारत को अमेरिका और उसके साथी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का कम से कम असर पड़े। वाजपेयी का यह संदेश राजदूतावासों और उच्चायोग के माध्यम से प्रवासी भारतीयों तक पहुंचाया गया। परिणाम यह हुआ कि भारत के कोष विदेशी मुद्रा से भर गए। गौर करने योग्य है कि भारत 2010 (53.48 बिलियन डॉलर), 2015 (68.91 बिलियन डॉलर) और 2020 (83.15 बिलियन डॉलर) में प्रेषण प्राप्त करने वाला शीर्ष देश था। विश्व प्रवासन रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भारत को 111 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रेषण प्राप्त हुआ जो विश्व में सबसे अधिक है और इस प्रकार भारत 100 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला पहला देश बन गया था। इस बार के सम्मेलन का विषय था-विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान'। राज्य सरकार ने युवा कार्य एवं खेलकूद मंत्रालय के सहयोग से आयोजन किया था। सम्मेलन

की खास बात त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रपति क्रिस्टीनन कार्ला कैंगलू की मौजूदगी रही जिन्होंने सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में अन्य बातों के साथ-साथ तीन महत्त्वपूर्ण बातें कहीं। पहली, भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में निहित है। दूसरी, भारत लोकतंत्र की जननी ही नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। तीसरी, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की निर्णायक भूमिका है। भारत की विभिन्न क्षेत्रों में चहुंमुखी विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए मोदी का कहना था कि आज भारत मेड इन इंडिया फाइटर जैट बना रहा है। ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहा है और वो दिन भी दूर नहीं जब मेन इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाने भारत आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्म ने समापन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान भी प्रदान किया। सऊदी अरब के भारतीय चिकित्सक डॉ. सैयद अनवर खुर्शीद को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। यह भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। निस्संदेह प्रवासी भारतीय सम्मेलन से जहां भारत और प्रवासी समुदाय के बीच साझा पहचान को बढ़ावा मिलता है, वहीं उनमें आपसी सम्बन्ध मजबूत बनते हैं, और वे अपनी माटी से जुड़ कर गौरव अनुभव भी करते हैं, लेकिन इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास जरूरी हैं। किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान करने की जरूरत है। यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि भारतीय कामगारों के लिए सुरक्षित-व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। सरकार के अलावा हर भारतीय का भी नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके। फिलहाल जो हालात हैं, उनमें वैश्विक श्रम की गतिशीलता भारत की आर्थिक कूटनीति की प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत के हितों की रक्षा की जानी चाहिए जहां संरक्षणवाद तेजी से बढ़ रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 22 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज ने कहा- हृदय का मैल जल से नहीं; संतों के चरण रज से धुलता है

रुकडी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थसागर महाराज जी ने कहा की - दिगंबराचार्य विशुद्धसागर महाराज जी तन से विशुद्ध, मन से विशुद्ध, चर्या से विशुद्ध और चर्चा से विशुद्ध ऐसे वितराग आचार्य भगवन विशुद्ध सागरजी महाराज है। दिगंबराचार्य विशुद्धसागर महाराज जी ऐसे संत है जिनके चरणो में शीतलता मिलती है। जिनकी एक मुस्कुराहट से सारी थकान मीट जाती है। विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी ने आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के विश्व रिकॉर्ड के बारे में बताया- गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (कर्म विपाक कृति केशर से लिखने पर)। लंडन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (1201 काव्यों के 1100 पृष्ठिय वस्तुत्वमहाकाव्य पर)। यु.एस.ए. बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (सर्वाधिक पंचकल्याणक हेतु)। डी. लिट.- ब्रिटिश नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ क्यून मेरी अमेरिका द्वारा डाक टिकीट (डाक विभाग द्वारा प्रकाशित) सन 2021,2024।

विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागरजी महाराज बताते हैं कि हृदय का मैल जल से नहीं; संतों के चरण रज से धुलता हैं। नमोस्तु शासन जयवंत हो। जैनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्ञान गुणी होता है, ज्ञान के बिना परमात्मा और आत्मा की

परिकल्पना भी नहीं कर सकते। जिस व्यक्ति के पास ज्ञान है वो कभी भी उग्र नहीं हो सकता। वह शीतल जल के सामान शांत रहता है। आध्यात्म में तर्कशास्त्र और रसायनशास्त्र दोनों एक साथ कार्य करता है। इनकी व्याख्या करना पड़ता है। जगत के पास विज्ञान है, बहुत कुछ कर सकता है। लेकिन भगवान को कभी भी महसूस नही कर पाया है। अहंकार के रोग में डूबे व्यक्ति को भगवान नही दिखाई देते है। वह रोगी है, रोग से वह व्यक्ति कैसे मुक्त होगा। उसके लिए धर्म का काम करना पड़ेगा। तभी वह स्वस्थ होगा और भगवन को देख सकता है और महसूस भी करेगा। मनुष्य के सामने जब कोई बड़ा प्रश्न सामने आता है तो वो घबरा जाता है, मानसिक उत्तेजना के कारण उसकी निर्णय शक्ति कठिन हो जाती है। जो कठिनाई सामने आई है, उसे वह बहुत बड़ा मान लेता है। सजे कारण बड़ी आपत्तियाँ आने की आशंका करता है और निवारण के उपायों को निर्बल एवं निराशाप्रद देखता है। ऐसी अवस्था में मानसिक संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह असंबद्ध, अधूरी, एवं निराशा, क्लेश, भय और चिंता के गर्त में डूबा लेता है। उसे सूझ नहीं पड़ता कि वह क्या करे, क्या ना करे?

आवेश और उद्विग्नता में किये हुये निर्णय उल्टे पड़ते है, उनसे समस्या सुलझने की अपेक्षा और उल्टी उलझती है। जब कोई संकट, विपत्ति, कष्ट, परेशानी आपके ऊपर आ जाये और आप कुछ निर्णय नहीं कर पा रहे हों, तो घबराओ नहीं, धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता, इष्टजन या गुरुजनों को बताओ आपको निश्चित ही उचित अचिंत्य समाधान मिलेगा। जिससे आप शीघ्र ही विपत्ति से मुक्त हो जायेंगे। मित्रो आत्म-हत्या करना किसी समस्या का समाधान नहीं है, अपितु आत्महत्या तो एक महापाप है जो स्वयं को तो कष्ट में डालेगा ही साथ-ही-साथ ऐसा करने से आपके परिवार पर भी आपत्ति आएगी।

-अभिषेक अशोक पाटील

सूर्य नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का तीसरा दिन

हस्तिनापुर जन्मकल्याणक पर निकली विशाल शोभायात्रा, बाल तीर्थंकर के कलशाभिषेक में गूंजे जयकारे

जयपुर (विश्व परिवार)। तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के द्वितीय तल पर नवनिर्मित जिनालय के बी टू बाई पास पर मेट्रो एन्क्लैव में बनाई गई हस्तिनापुर नगरी में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में मुनि समत्व सागर, शील सागर, गणिनी आर्यिका नंगमति एवं क्षुल्लिका पदममति के सानिध्य में मंगलवार को जन्म कल्याणक मनाया गया। जन्म कल्याणक की क्रियाएं और तीर्थंकर बालक शांति कुमार के पाडुंक शिला पर हुए जन्माभिषेक देखने के लिए जैन समाज उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

अध्यक्ष नवीन जैन एवं मुख्य समन्वयक सुरेश बाकलीवाल ने बताया कि सुबह महोत्सव के तहत जन्मकल्याणक की क्रियाएं हुई,जिसके तहत जिनेंद्र दर्शन, अभिषेक के बाद प्रकाश टोंग्या ने शांतिधारा का पुण्यार्जन किया।तत्पश्चात प्रात: कालीन बेला में हस्तिनापुर के राजा विश्वसेन महाराज एवं रानी ऐरा देवी के तीर्थंकर बालक का जन्म हुआ। इस मौके पर इन्द्र सभा में बैठे सौधर्म इन्द्र नीरज-सुप्रिया का आसन कम्पायमान हो उठा। कुबेर का आगमन,ऐरावत हाथी रचना,शचि इन्द्राणी का अंतपुर में जाना,शचि इन्द्राणी का बाल तीर्थंकर को लाना,सौधर्म इन्द्र को सौपने के सुन्दर दृश्य देख श्रद्धालुओं में हर्षोल्लास छा गया। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में नंगमति माताजी एवं मुनि शील सागर महाराज ने जन्मोत्सव का वर्णन किया। मुनि समत्व सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि जहा पुण्य होता है, वहा स्वर्ग में सौधर्म का आसन कम्पायमान हो जाता है। तीर्थंकर बालक जब भी जन्म लेते हैं तीनों लोकों में हर्ष उल्लास का माहौल हो जाता है।

साढे बारह करोड़ वाद्य यंत्र एक साथ बजते है। आकाश मण्डल देवों से छा जाता है। हस्तिनापुर में महाराज विश्वसेन के माता ऐरा देवी के गर्भ से जन्म होता है। विधि विधान का उल्लेख जिन आगम के अनुसार ही है। किसी से राग द्वेष नही करो लेकिन सत्यता को प्रकट जरुर करना चाहिए। सत्य से परिचित होना हो तो आगम से परिचित होना चाहिए। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कोई नाटक नही है। आगम अनुरुप क्रिया विधि है।

परिवार नियोजन व गर्भपात क्रूरता है। तीर्थंकरों ने अपने जीवन को सार्थक बना लिया है इसलिए उनका जन्म कल्याणक मनाया जाता है। इस मौके पर शांति देवी राजेश पापडीवाल परिवार ने पाद पक्षालन एवं जिनवाणी भेट करने का पुण्यार्जन किया। महोत्सव में भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राज कुमार कोठयारी, श्री वीर सेवक मण्डल के अध्यक्ष महेश काला, अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार के अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल, श्योपुर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक बाकलीवाल, राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य चेतन जैन निमोडिया, मुनि भक्त मनोज झांझरी, आशीष बैद, सुरेश जैन बांदीकुई आदि गणमान्य लोगों ने मुनि संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

30 जनवरी को मनाया जाएगा शहीद दिवस, पूर्वान्ह 11 बजे किया जाएगा 2 मिनट का मौन, राज्य सरकार ने जारी किया परिपत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी 2025 को सुबह 11 बजे दो मिनट का मौन आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंत्रालय नवा रायपुर के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने समस्त विभागाध्यक्ष, समस्त संभागायुक्त, सभी कलेक्टरों, सभी जिला पंचायत के सीईओ सहित अन्य अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए एक परिपत्र जारी किया गया है। परिपत्र में कहा गया है कि 30 जनवरी 2025 को सुबह 11 बजे दो मिनट का मौन आयोजन किया जाना है और अन्य काम तथा गतिविधियों को रोक दिया जाना चाहिए। जहां कहीं संभव हो, दो मिनट के मौन की अवधि शुरू होने तथा समाप्त होने की सूचना सायरन बजाकर या आर्मी गन से दी जानी चाहिए। इस आयोजन के संबंध में शैक्षणिक संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को जिला प्रशासन द्वारा समुचित अनुदेश जारी किए जाए। इस दिन के महत्व को प्रसारित करने हेतु भारत की स्वतंत्रता में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका तथा राष्ट्रीय एकता से संबंधित विषय पर हाइब्रिड या आनलाइन मोड़ में भाषण और वार्ताएं आयोजित किए जाए।

रेलवे स्टेशन और बस स्टेंड से 3500 किलो नकली पनीर जब्त

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खाद्य विभाग ने नकली पनीर की एक बड़ी खेप को जब्त किया है। रेलवे स्टेशन और बस स्टेंड से कुल मिलाकर 3500 किलो पनीर पकड़ा गया है, जो स्थानीय बाजारों में बेचे जाने की योजना थी। यह कार्रवाई खाद्य विभाग के अधिकारियों की सतर्कता का नतीजा है, जिन्होंने इस नकली पनीर को बाजार में प्रवेश करने से पहले ही पकड़ लिया। बता दें कि खाद्य विभाग की टीम ने रायपुर के प्रमुख बस स्टेंड से 53 पेटी नकली पनीर जब्त की। इन पेटियों में पैक पनीर का वजन करीब 2500 किलो था। बस स्टेंड पर यह पनीर बड़ी मात्रा में खपाए जाने की तैयारी में था। साथ ही, रेलवे स्टेशन से 17 पेटी पनीर भी जब्त की गई, जिसका वजन करीब 1000 किलो था। खाद्य विभाग ने जब्त किए गए पनीर के नकली होने की आशंका जताई है और इसकी गुणवत्ता की जांच के लिए नमूने भेजे हैं। विभाग ने यह भी बताया कि इस कार्रवाई के दौरान पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है ताकि इस बड़े नकली खाद्य पदार्थ नेटवर्क के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके। नकली खाद्य पदार्थों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए खाद्य विभाग ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है और आने वाले दिनों में इस तरह के और मामलों की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही है। विभाग का कहना है कि वह रायपुर में खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और किसी भी तरह के घटिया और नकली खाद्य पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

जशपुरनगर में जैन समाज का ऐतिहासिक मिलन, धार्मिक जाप से गूंज उठा महाराजा मंगल चौक

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। सोमवार की सुबह जशपुरनगर के महाराजा चौक में जैन समाज के लिए एक अत्यधिक धार्मिक और भक्तिभावपूर्ण वातावरण देखा गया। इस दिन जैन समाज के दो प्रमुख संतों का मिलन हुआ, जो जैन धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पल था। जैन समाज के आचार्य विद्यासागर के परम प्रभावक शिष्य मुनि सागर जी एवं अतुल सागर महाराज के साथ गणाचार्य विराग सागर महाराज की शिष्या 105 विभा जी संघ का एक साथ मिलन हुआ।

यह आयोजन तब हुआ जब मुनि सागर जी एवं अतुल सागर जी झारखंड में स्थित प्रमुख जैन तीर्थस्थल, सम्मेद शिखर की ओर पद विहार कर रहे थे। साथ ही गणाचार्य विराग सागर महाराज की शिष्या आर्यिका विभा माता जी अपने संघ के साथ सम्मेद शिखर से इंदौर के लिए पद विहार करते हुए जशपुर पहुंचीं। इस दौरान दोनों संतों का मिलन होने से पूरे क्षेत्र में एक भक्तिमय और धार्मिक वातावरण बन गया। मुनि व विभा माता जी संघ के जशपुर आगमन पर महाराजा चौक जयकारों से गुंजा उठा। समाज के लोग बड़ी संख्या में इस धार्मिक मिलन के गवाह बने। दोनों ओर से संतों के आगमन के साथ ही पूरा चौक भक्तिभाव से भरा हुआ था। संतों का मिलन एक धार्मिक पर्व के रूप में देखा गया, जहां संतो के दर्शन कर समाज के लोग धन्य महसूस कर रहे थे। चौक में मंगल

मिलन के बाद संघ जशपुर स्थित स्थानीय जैन मंदिर में प्रवास हेतु पहुंचा। वहां उन्होंने समाज के लोगों को धर्म, अहिंसा, और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। मुनि श्री ने समाज को धर्म के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए प्रवचन भी दिया।

जशपुर में संतों के प्रवास के लिए समाज द्वारा संत निवास का निर्माण कराया गया है। सम्मेद शिखर जी जाने के लिए जशपुर मुख्य मार्ग पर पड़ने के कारण समाज ने संतों के विश्राम और आहारचर्या के लिए ये निवास बनाए हैं। जशपुर में चरईड़ाड, महवाटोली और झारखंड बॉर्डर में स्थित टांगरटोली में संत निवास बनाए गए हैं, जहां संतों का प्रवास होता है। ये निवास संतों के पद विहार के दौरान उन्हें विश्राम और आहार के अवसर प्रदान करते हैं। जशपुर नगर में हुए इस ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन ने जैन समाज को एक बार फिर से अपने धर्म और संस्कृति की गहरी समझ और प्रेरणा दी। संतों के दर्शन और प्रवचन ने आध्यात्मिक उत्साह उत्पन्न किया, जो आने वाले दिनों में समाज को सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन देगा।

मंगल मिलन के साथ-साथ जशपुर स्थित जैन मंदिर में शीतकालीन वाचन कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। गणाचार्य विराग सागर जी महाराज की शिष्या विभा माता जी का संघ वर्तमान में इस कार्यक्रम में भाग ले रहा है। वाचन कार्यक्रम में जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं, और प्रतिदिन समाज के लोगों को सत्य, अहिंसा और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह आयोजन समाज के लोगों के लिए एक धार्मिक और शिक्षाप्रद अनुभव साबित हो रहा है। जैन समाज के लिए संतों का मिलन एक भावुक और गौरवमयी क्षण होता है। यह पल समाज के लोगों के लिए अत्यधिक भक्तिपूर्ण होता है, क्योंकि इस दौरान दो अलग-अलग मार्गों से पद विहार करते हुए आ रहे जैन संत एक ही स्थान पर मिलते हैं। यह दृश्य समाज के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बन जाता है, और संतों के मिलन को लेकर लोग बड़े श्रद्धाभाव से उपस्थित होते हैं

मुनि संघ का सानिध्य जैन समाज के लिए आशीर्वाद : जशपुर जैन समाज को हमेशा अलग-अलग जैन मुनि संघ का सानिध्य प्राप्त होता है। मुनि संघ का आवागमन यहां नियमित रहता है, क्योंकि जशपुर, झारखंड के सम्मेद शिखर तीर्थस्थल जाने के रास्ते में स्थित है। मुनि संघ जशपुर के रास्ते होते हुए सम्मेद शिखर की ओर जाते हैं, और इस दौरान जशपुर के जैन समाज को मुनि संघ का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मुनि संघ के प्रवास से जशपुर के लोगों को धर्म, अहिंसा, और सत्य के संदेश मिलते हैं, जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं और उन्हें आत्मिक शांति की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

आचार्य गुणधर नंदी के कुशल नेतृत्व में अत्यंत भक्तिमय वातावरण में वरूर पंच कल्याणक महामहोत्सव का शुभारंभ : डॉ. कल्याण गंगवाल

वरूर/कर्नाटक (विश्व परिवार)। डॉ कल्याण गंगवालजी (पुणे) ने अवगत कराया कि पिछले तीन दिनसे वरूर (कर्नाटक) के विराट पंच कल्याणक में तन - मन -धन से शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ! करीबन 70 साधू -संत आचार्योंके साथ धर्म चर्चा के साथ वय्यावृत्ती भी की ! ऐसा विराट धर्म महोत्सव मेरे शिक्षागुरु आचार्य विद्यासागर महाराज जी के मार्गदर्शन मे हुये कुंडलपुर पंच कल्याणक के बाद पहली बार देखा। आचार्य गुणधरनंदी जी के कुशल नेतृत्व मे अत्यंत भक्तीमय वातावारण मे पंच कल्याणक शुरु हुआ है! वरूर के शिक्षण संकुल मे दस / बारा हजार विद्यार्थी पढाई करते हैं। जैन / अजैन सभी हैं !

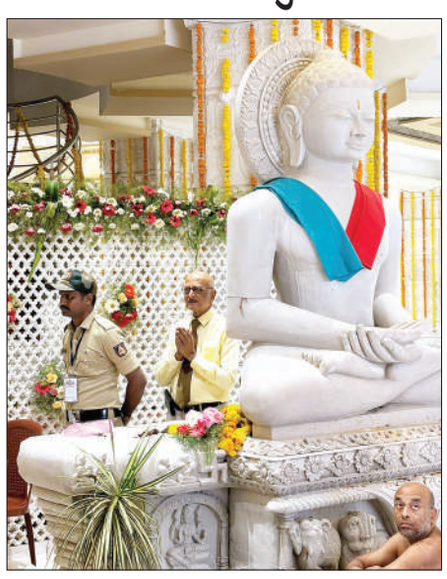

उनपर शाकाहार और जैन जीवन शैली के संस्कार प्रभावी ढंगसे किये जाते हैं। यहा आयुर्वेदीक और होमिओपॅथी कॉलेज और हॉस्पिटल भी हैं ! गरीब मरीजोपर मुफ्त इलाज भी किया जाता है। गरीब मरीजो की मदद के लिये मेरे परिवार के डॉ पारितोष,डॉ सीमा,डॉ आनंद ने 1 लाख 11 हजार की राशी औषध दान के रुपमे दान की। दया और सेवा हमारे जैन धर्म के मूलभूत अंग हैं।

डॉ. कल्याण गंगवाल जी ने बताया कि शाकाहार प्रचार प्रसार के लिये एक 100 पोस्टर की प्रदर्शनी उन्होने शिक्षण संकुल को ज्ञान दान के रूप मे गुरु चरणो में दान की। अहिंसा परमो धर्म की जय हो। **-अभिषेक अशोक पाटील**

सारथी दिवस में वाहन चालको का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी(सडक सुरक्षा) छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह में दिनांक 24.01.2025 को प्रस्तावित 'सारथी सम्मान' कार्यक्रम के आयोजन के अनुक्रम में विभिन्न विभागों/संस्थाओं द्वारा इस कार्यक्रम के लिये ऐसे वाहन चालक जिनका व्यवहार/आचरण उत्तम हो, यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान न हुआ हो, जिनसे सडक दुर्घटना न हुई हो, वाहन चलाते समय नशा न करते हो, वाहनों का बेहत्तर रखरखाव करते हो, सडक दुर्घटना में घायलों की मदद की हो एवं यातायात नियमों की बेहत्तर जानकारी हो, का नामांकन प्राप्त हुआ है। नामांकित सारथीगण का एक गरिमामय कार्यक्रम में सम्मान किया जायेगा।

देश प्रदेश की विकास यात्रा में वाहन सारथियों द्वारा सतत् यात्री/सामग्री परिवहन से सक्रिय सहभागिता की मान्यता एवं प्रेरणा स्वरूप आयोजित इस कार्यक्रम मे समस्त शासकीय/ अशासकीय/ व्यवसायिक/ निजी संस्थानों सहित व्यक्तिगत वाहनों में संलग्न/ कार्यरत उत्तम वाहन चालकों के सम्मान के साथ उनके आत्म विश्वास अभिवृद्धि एवं भविष्य में नियमों के अनुपालन से सड़क सुरक्षा के लिये प्रेरित किये जाने की मंशा है। राज्य स्तर के शासकीय/ अशासकीय/ व्यावसायिक/ निजी संस्थानों/ ट्रक/ बस/ टैक्सी/ ऑटो संघों से उत्कृष्ट सारथियों (वाहन चालकों) का नामांकन दिनांक 22.01.2025 तक अंतर्विभागीय लीड एजेंसी(सड़क सुरक्षा) छत्तीसगढ़ के ईमेल road-safetyla@cg.gov.in में प्रस्ताव आमंत्रित है। जिला स्तर पर क्षेत्रीय/ जिला परिवहन अधिकारियों/ यातायात प्रभारियों को नामांकन प्रेषित किये जा सकेंगे। सारथी दिवस के अवसर पर दिनांक 24.01.2025 को समस्त बस, टैक्सी, ऑटो सहित अपने निजी वाहन चालकों तथा परिवार के सदस्यों को लाने ले जाने, वाहन से महत्वपूर्ण घरेलु कार्यो को संपादित करने वाले परिवार के सदस्य को भी उनकी सेवाओं की मान्यता एवं प्रोत्साहन स्वरूप धन्यवाद कहने, फूल देने, शुभकामनाएं देने या किसी भी सम्मानजनक तरीके से अभिवादन/ प्रोत्साहन करने का अनुरोध है।

नगरीय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 : आदर्श आचरण संहिता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक : कलेक्टर डॉ. सिंह

चुनावी जुलूस ,रैली की सूचना पूर्व में स्थानीय पुलिस थाने में दी जानी चाहिए: एसएसपी लाल उम्मेद सिंह

कलेक्टर, एसएसपी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की ली बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह ने कहा है कि सभी राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग की आदर्श आचरण संहिता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है तथा आदर्श आचार संहिता का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी का उद्देश्य स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव कराना है। इस प्रक्रिया में राजनैतिक दलों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हैं। सभी के सहयोग से जिले में नगरीय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया को सफलता पूर्वक संपन्न कर पाएंगे। त्रिस्तरीय चुनाव के संदर्भ में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सिंह द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में ली गई।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी को जातीय, धार्मिक विषयों से

बचकर अपना प्रचार-प्रसार करना चाहिए। वोट के लिए अपील करते समय धार्मिक स्थल या संस्थान का उपयोग नही किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि कोई दल या प्रत्याशी स्वयं किसी की निजी संपत्ति पर, भवन, भूमि अथवा परिसर पर झंडे,पोस्टर बैनर आदि उसकी पूर्वानुमति के बिना नही लगाएगा और न ही अपने समर्थको को ऐसा करने दें। अस्थायी प्रचार कार्यालयों की अनुमति किसी भी अतिक्रमित भूमि या भवन पर नहीं दी जायेगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान या अस्पताल से लगे हुए भवनों में भी अस्थायी प्रचार कार्यालय की अनुमति नहीं दी जाएंगी। किसी भी मतदान केंद्र के 200 मीटर की परिधि में ये किसी भी कार्यालय के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। ये कार्यालय किसी धार्मिक भवनों में नहीं संचालित किए जा सकेंगे। इसकी अनुमति सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जाएगी।

एसएसपी श्री लाल उम्मेद सिंह ने कहा कि जुलूस आदि के दौरान यदि किसी व्यक्ति द्वारा बाधा पहुंचायी जाती है तो राजनीतिक दल स्वंय उस पर कार्यवाही न करें तथा कानून अपने हाथ में न ले, इसकी सूचना पुलिस को दें साथ ही जुलूस के दौरान उपस्थित पुलिस बल इस पर कार्यवाही करेगा। चुनावी सभा या जुलूस के आयोजन के पूर्व स्थानीय पुलिस को सूचित किया जाएगां। यदि कोई प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू हो तो उनका पालन किया जाए। यदि ऐसे सभा या जुलूस में ध्वनिविस्तारक आदि का उपयोग किया जाना हो तो उसकी अनुमति ली जाए।

इस अवसर बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, एडीएम श्री कीर्तिमान राठौर, श्री देवेन्द्र पटेल, उप निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर बंदे, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी गण व उपस्थित थे।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 : गोडावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने पेश किए दो नए ई-स्कूटर और लॉन्च किया ई-ऑटो

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपने नए उत्पादों का अनावरण किया। कंपनी ने दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर्स इब्लू फियो ज़ेड और इब्लू फियो डीएक्स, और तीन पहियों वाला इलेक्ट्रिक ऑटो इब्लू रोज़ी इको लॉन्च किया। कंपनी का उद्देश्य ऐसे वाहन बनाना है, जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाएं, ऊर्जा की बचत करें और लंबे समय तक टिकाऊ रहें। कंपनी ने अपने ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह वाहन पेश किए हैं। इब्लू फियो ज़ेड को खासतौर पर शहर के अंदर कम दूरी के सफर के लिए डिजाइन किया गया है। यह लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर दैनिक यात्रा की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है। वहीं, इब्लू फियो डीएक्स अधिक पावर और बेहतर प्रदर्शन के साथ आता है और एक बार चार्ज करने पर 150 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करता है। इसकी कीमत रु. 2,95,999 (एक्स-शोरूम) तय की गई है।

इसके अलावा, इब्लू रोज़ी इको, जो तीन

पहियों वाला इलेक्ट्रिक ऑटो है, बिजनेस के लिए एक उपयोगी विकल्प है। इसे विशेष रूप से ऑनलाइन ऑर्डर डिलीवरी, गोदाम से घर तक सामान पहुंचाने और यात्रियों को शहर के भीतर उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने इन वाहनों के जरिए टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। यह पहल न केवल ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के डायरेक्टर और सीईओ श्री हैदर खान ने कहा कि ' 'इन तीनों नए वाहनों की पेशकश भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम है। कंपनी का लक्ष्य भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों को नई पहचान देना और इन्हें अधिक लोकप्रिय बनाना है। उन्होंने बताया कि कंपनी की रिसर्च और डेवलपमेंट टीम ने इन गाड़ियों को भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है। इन वाहनों का निर्माण इस तरह किया गया है कि यह न केवल पर्यावरण की रक्षा के लक्ष्यों को पूरा करें, बल्कि टिकाऊ और उन्नत तकनीक से लैस हों। इन गाड़ियों में ऐसे खास फीचर्स जोड़े गए हैं, जो इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए सक्षम बनाते हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 22 जनवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

स्कूली बच्चों से भरी बस-ट्रक में भिड़ंत, दो की मौत

कोंडागांव(विश्व परिवार)। जिले में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां स्कूली बच्चों से भरी बस एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में ड्राइवर और एक शिक्षक की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के वक्त बस में 53 से अधिक लोग सवार थे। मिली जानकारी के अनुसार मोहला-मानपुर जिले के एक स्कूल के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण के लिए बस्तर आए थे। अलग-अलग स्थानों को घूमने के बाद ये सभी लौट रहे थे। इसी दौरान चिखलपुटी नया बस स्टैंड के सामने बस ने एक ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में ड्राइवर और एक शिक्षक की मौके पर मौत हो गई। वहीं 19 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अन्य हादसे में भी दो लोगों की मौत हुई है। कोंडागांव जिले में ही नेशनल हाईवे 30 पर लंजोड़ा गांव में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सिटी कोतवाली कोण्डागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मृतक फरसगांव क्षेत्र के निवासी थे। हादसा तब हुआ जब वे फरसगांव से कोण्डागांव की ओर आ रहे थे।

सड़क हादसे में दंपति की मौत, दो बच्चे गंभीर

बालोद(विश्व परिवार)। जिले में आज दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक, ग्राम मनकी के रामायण मंडली के सदस्य रामचरित मानसगान का कार्यक्रम देकर वापस अपने गांव लौट रहे थे. तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई. इस हादसे में पति-पत्नी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं पांच लोग घायल हुए हैं. मृतक दंपत्ति के दोनों बच्चों की हालत भी गंभीर है. यह घटना देवरी थाना क्षेत्र के मुजगहन और खामतराई गांव के बीच हुई.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस के मुताबिक, रामचरित मानस मंडली के लोग कार्यक्रम देने के बाद स्कॉर्पियो में सवार होकर अपने गांव मनकी लौट रहे थे. तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई. इस हादसे में मनकी गांव के निवासी पुरषोत्तम यादव 43 वर्ष और उनकी पत्नी जानकी यादव 40 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों के दोनों बच्चे हर्ष यादव और वीणा यादव गंभीर रूप से घायल हैं. प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है.

भाजपा के इशारे पर काम कर रहे सारंगढ़ कलेक्टर : कांग्रेस

सारंगढ़ (विश्व परिवार)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और जिला प्रशासन पर तीखे आरोप लगाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि जनप्रतिनिधियों का अपमान किया जा रहा है और जिला प्रशासन भाजपा के दबाव में काम कर रहा है। मामला सोमवार को हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कार्यक्रम का है, जिसमें जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस सरकारी कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विशेष रूप से नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे और दो विधायकों, को न तो आमंत्रित किया गया और न ही शिलालेखों में उनके नाम शामिल किए गए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अरुण मालाकार ने कहा- भाजपा और जिला प्रशासन जनप्रतिनिधियों का अपमान कर रहे हैं। यह भाजपा की तानाशाही और सत्ता के नशे को दर्शाता है। नगर पालिका अध्यक्ष और विधायकों को कार्यक्रम से दूर रखना प्रोटोकॉल का उल्लंघन और अपमानजनक है। मालाकार ने यह भी दावा किया कि जिन विकास कार्यों का उद्घाटन हुआ, वे कांग्रेस शासन के दौरान प्रस्तावित किए गए थे। उन्होंने इसे जनता को भ्रमित करने वाला कदम बताया और कहा कि कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सूरज तिवारी ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन भाजपा नेताओं के दबाव में काम कर रहा है। उन्होंने कहा- नया रायपुर के कार्यक्रमों में सरपंचों तक को मंच और सम्मान दिया गया, लेकिन सारंगढ़ में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया। यह अपमान सहन नहीं किया जाएगा। कांग्रेस युवा नेता शुभम भाजपाई ने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष का नाम जानबूझकर कार्यक्रम से हटाया गया। उन्होंने कलेक्टर धर्मेश साहू पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा- अगर कलेक्टर भाजपा का दामन थामना चाहते हैं, तो पद छोड़कर राजनीति करें। कांग्रेस इस अपमान का बदला चुनाव में लेगी। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। कांग्रेस ने आने वाले दिनों में सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। वहीं, भाजपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। यह घटना राजनीतिक तनाव और सत्ता के लिए चल रही खींचतान को उजागर करती है। आने वाले चुनावों के मद्देनजर इस विवाद का असर जिले की राजनीति पर गहरा हो सकता है।

गंगालूर धान मंडी में किसानों के साथ अन्याय, प्रति बोरा 3 किलो तक धान वसूली...

बीजापुर(विश्व परिवार)। बीजापुर जिले में धान खरीदी केंद्रों पर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आ रही हैं। गंगालूर और चेरपाल समेत जिले के कई केंद्रों में किसानों से उनके पसीने की कमाई पर डाका डाला जा रहा है। धान खरीदी प्रक्रिया के तहत प्रति बोरी 40 किलो 600 ग्राम धान लिया जाना चाहिए, लेकिन गंगालूर मंडी में किसानों से 41 से 43 किलो तक धान लिया जा रहा है। यह स्थिति किसानों की मेहनत पर सीधा असर डाल रही है। धान खरीदी केंद्रों पर जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी बोरे के वजन का हवाला देकर अधिक धान वसूल रहे हैं। भोले-भाले किसानों को इस प्रक्रिया में गुमराह किया जा रहा है। एक केंद्र कर्मचारी ने स्वीकार किया कि यह सब लैम्प्स प्रबंधक के निर्देश पर हो रहा है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ वही करते हैं जो अधिकारी कहते हैं। किसान नेताओं और सामाजिक संगठनों ने इस गड़बड़ी पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि प्रशासन को जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करना चाहिए। अतिरिक्त धान लेने से न केवल किसानों का नुकसान हो रहा है, बल्कि उनकी मेहनत का भी अपमान हो रहा है। धान खरीदी केंद्रों में हो रही इस गड़बड़ी पर किसानों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अनुरोध किया है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि किसानों के साथ हो रहा अन्याय रोका जा सके। बीजापुर जिले में इस प्रकार की गड़बड़ी से कृषि व्यवस्था और किसान हित पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

54 स्कूल बसों की हुई जांच

महासमुंद(विश्व परिवार)। जिला परिवहन अधिकारी और यातायात पुलिस महासमुंद तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा रविवार को जिले में आने वाले पिथोरा, बसना, सरायपाली क्षेत्र के 54 स्कूल बसों की जांच की गई, जांच में 06 बसों से सामान्य त्रुटि पाए जाने पर 20400 रुपए शमन शुल्क वसूल किया गया और श्रद्धा पब्लिक स्कूल की 1 बस में परमिट , फ्लोर जर्जर, मोटर यान कर बकाया पाए जाने पर जप्त कर पिथौरा थाने में खड़ा किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित सभी चालकों का सुगर, बी पी और आंखो की जांच किया गया। साथ ही सभी स्कूल बसों को बताया गया कि बस चालक एवं परिचालक दोनों को वाहन संचालन के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर तत्काल फास्टेड बॉक्स, अग्निशमन एवं इमरजेंसी डोर का उपयोग करने बतलाया गया। इसके अलावा स्कूली बसों में आने जाने वाले बच्चों को चढ़ते एवं उतरते समय हमेशा सावधानी के साथ बच्चों उतारने व चढ़ाने बताया गया। साथ ही स्कूली बसों के संचालन के दौरान किसी प्रकार का शराब सेवन नहीं व नशे की हालत में वाहन नही चलाने और हमेशा यातायात नियमों का पालन करने समझाया गया।

छात्र-छात्राओं को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

धमतरी(विश्व परिवार)। 35 वॉ सड़क सुरक्षा माह के बीसवें दिवस शासकीय महाविद्यालय मगरलोड,शास0उच्च0 मा0 वि0 शंकरदाह, शा0 मा0 शाला अर्जुनी, शा0 प्रा0 शाला अरसीकन्हार, तुमड़ीबहार में छात्र-छात्राओं का यातायात कार्यशाला आयोजन कर दी गई यातायात नियमों की जानकारी। समाजसेवी संस्था लायनेस क्लब धमतरी, मेनोनाईट इंग्लिश स्कूल यूरो किड्स के द्वारा शहर के रत्नाबांधा चौक में आवगमन करने वाले वाहन चालकों, आमजन को यातायात नियमों का पालन करने की गई अपील। इंडियन रेड कास सदस्य एवं नेहरू युवा केन्द्र माय भारत स्वयंसेवकों द्वारा शहर के हृदय स्थल घड़ी चौक में नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन। यातायात जागरूकता रथ के द्वारा शहर में पीए सिस्टम के माध्यम से यातायात नियमों का किया गया प्रचार। सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 35 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पुलिस अधीक्षक श्रीमान आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशानुसार, उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री मणीशंकर के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा माह के बीसवें दिवस दिनांक 20.01. 2025 को शासकीय नारायण राव मेघावाले महाविद्यालय मगरलोड, शास0 उच्च0 मा0 शाला अर्जुनी, शा0 प्रा0 शाला अरसीकन्हार, तुमड़ीबहार में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देकर बताया गया कि यातायात में सड़क, चालक एवं वाहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इन तीनों में एक में भी दोष होने से सड़क दुर्घटना घटित होने की संभावना रहती है, सुगम यातायात संचालन हेतु उक्त तीनों का सही रहना आवश्यक है, साथ ही सड़क दुर्घटना के कारणों को अवगत कराते हुए बताया गया कि वाहन चालकों द्वारा शराब सेवन कर वाहन चालन, रांग साईड में वाहन चालन, तेजगति व असावधानीपूर्वक ओवरटेक करते हुए वाहन चालन आदि से सर्वाधिक सडक दुर्घटना घटित होती है, इसलिए वाहन चालन के दौरान कभी भी शराब सेवन, रांग साईड, तेजगति,असावधानी पूर्वक ओवरटेक नही करना चाहिए। दोपहिया वाहन में चलने के दौरान हेलमेट व चारपहिया वाहन में चलने के दौरान सीटबेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने बताकर हेलमेट व सीटबेल्ट के महत्ता के बोर में विस्तृत जानकारी दी गई। गुड समेरिटन के बोर में बताकर छात्र-छात्राओं को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की हरसंभव मदद कर अस्पताल पहुंचाने व समीपस्थ पुलिस थाना को सूचित करने बताकर यातायात नियमावली पाम्प्लेट वितरण कर यातायात नियमों को स्वयं पालन करने, व अपने रिश्तेदारों व परिजनों को भी पालन हेतु प्रेरित करने अपील की गई। समाजसेवी संस्था लॉयनेस क्लब के सदस्य एवं मेनोनाईट स्कूल के यूरो किड्स के बच्चों के द्वारा रत्नाबांधा चौक में आवागमन करने वाले वाहन चालकों आमजन को यातायात नियमों वाली पाम्प्लेट वितरण कर यातायात नियमों की जानकारी दी गई साथ ही हेलमेट, सीटबेल्ट का प्रयोग करने एवं यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को प्रोत्साहित करने के लिए चॉकलेट व पेन देकर कर सम्मानित किया गया।

दमेरा पर्यटन स्थल को साफ करने जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम सहित सभी ने ली स्वच्छता की शपथ

जशपुर(विश्व परिवार)। जिले में पर्यटन स्थलों के विकास एवं संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिसके तहत सोमवार को पर्यटन क्षेत्र दमेरा में कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता श्रमदान किया। इस श्रमदान में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, एसडीएम ओंकार यादव, तहसीलदार जयश्री राजनपथे, अतिरिक्त सीईओ प्रदीप कुमार राठिया, जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार भटनागर, ईई जल संसाधन विनोद भगत, उपसंचालक पशु चिकित्सा अवधेश कुमार मरकाम, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, सहायक संचालक मत्स्य विभाग जितेंद्र कुमार पैंकरा सहित जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत रेंगोला के जनप्रतिनिधि, स्वच्छता समूहों की दीदियां, जय हो स्वयंसेवक सहित स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में सभी ने पर्यटन केंद्र में फैली गंदगी को इक्कट्ठा करते हुए सभी को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पर्यटन स्थल लोगों के लिए मनोरंजन का साधन होने के साथ प्रकृति का अनुपम उपहार और वन के वन्य जीवों के लिए जीवन का माध्यम भी है। जिसका आनंद उठाने के लिए इन स्थलों का स्वच्छ होना भी आवश्यक है और पर्यटन क्षेत्रों को स्वच्छ रखना ना सिर्फ हमारी जिम्मेदारी है वरन हमारा कर्तव्य भी है।

जीजा ने डंडे से पीट-पीट कर दी साले की हत्या

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के सेमरापारा में जीजा ने साले की डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी. जानकारी के मुताबिक, एक मोटर गैरेज में काम करने वाले जीजा-साले के बीच शराब के नशे में विवाद हो गया. इस दौरान गुस्से में आकर जीजा ने साले की हत्या कर दी. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. एसडीओपी प्रशांत पैकरा ने बताया कि सेमरापारा में एपी मोटर्स गैरेज में भोपाल मध्यप्रदेश के जागेश्वर कुमार और उसका साला संजय काम करता है. दोनों ने शुक्रवार की रात्रि साढ़े 8 बजे जमकर शराब पी. इसके बाद दोनों के बीच आपस में विवाद हो गया. इस दौरान मारपीट में साले संजय के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई. भोपाल से पहुंचे परिजनों को पोस्टमार्टम के बाद शव सौंप दिया गया.

भालू के हमले से बाप -बेटा की मौत, दो अन्य घायल

कांकेर(विश्व परिवार)। भानुप्रतापपुर वन क्षेत्र के डोंगरकट्टा गांव के पास जंगल में तीन ग्रामीण शनिवार को लकड़ी लेने जंगल गए थे, इसी दौरान अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। भालू के हमले से पिता-पुत्र शंकर दरों और सुकलाल दरों की मौत हो गई, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। भालू काफी आक्रामक हो गया था, जिसके कारण जंगल से कई घंटों के बाद मृतक के शव को निकाला जा सका। इस घटना के बाद रात भर गांव के पास ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। भालू के खतरे को देखते हुए वन विभाग की टीम ने लोगों को गांव से बाहर जाने से मना किया था, घरों के बाहर आग जलाने की व्यवस्था की गई थी। गांव के आस-पास पिंजरा लगाकर नाइट ड्रोन की मदद से निगरानी की गई। जिसके बाद आज रविवार को भालू को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया है। भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी ग्राम डोंगरकट्टा पहुंची और मृत परिवार के परिजनों का ढांढस बंधाया। ग्रामीणों ने विधायक से बिजली नहीं होने की शिकायत की जिस पर विधायक ने बिजली विभाग के कर्मचारियों को फटकार लगाई है। जंगल सफारी रायपुर से पहुंचे डॉ. राकेश वर्मा ने कहा कि ऐसी घटना भालू के मानसिक स्वास्थ्य बिगडऩे से होता है। भालू को रेबीज होने की संभावना है, रात में ड्रोन की मदद से भालू पर निगरानी रखी गई। जिसे वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया है। उन्होने बताया कि भालू को अस्पताल पहुंचाया जाएगा। भालू के स्वस्थ होने पर ही दूसरे जंगलों में उसे छोड़ा जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार जब वन विभाग की टीम मृतकों का शव लेने मौके पर पहुंची, तब भालू ने दोबारा हमला कर दिया। इस दूसरे हमले में डिप्टी रेंजर नारायण यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, नारायण यादव को दबोचकर भालू नोंचता रहा, जिसका वीडियो अब सामने आया है। वन विभाग की टीम ने घंटों इंतजार के बाद भालू के कब्जे से शव को जंगल से निकाला गया। शंकर दरों और सुकलाल दरों के शव क्षत-विक्षत हालत में मिले हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद आज रविवार को मृतक पिता-पुत्र के शव को परिजनों को सौंप दिया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 11 बजे जंगल में अज्जू कोरेटी पर भालू ने हमला किया। युवक पर भालू को हमला करता देख पास मौजूद बुजुर्ग शंकर दरों ने बचाने का प्रयास किया। भालू ने शंकर को अपने करीब आता देख उस पर भी हमला कर दिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। भालू के पहले शिकार बने युवक अज्जू कुमार कोरेटी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। जिसका कांकेर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं डिप्टी रेंजर नारायण यादव के सिर और कंधे में चोटें आई हैं, उनका रायपुर में इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार दोनों की हालत नाजुक है। इसकी सूचना मिलने पर शंकर के बेटे के साथ गांव के करीब 100 लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। पिता के करीब पहुंचे सुकलाल दरों पर भी भालू ने हमला कर दिया।

कम पानी उपयोग से अधिक लाभ अर्जित करने वाली फसलों से किसानों को करें जागरूक : कलेक्टर

कृषि के क्षेत्र में उपयोग किए जा रहे पानी का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करना आवश्यक

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं मत्स्यपालन विभाग की भौतिक, वित्तीय प्रगति एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में घटते हुए जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को कम पानी उपयोग वाली अधिक लाभकारी फसलों की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में उपयोग किए जा रहे पानी का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करना आवश्यक है। जिले में मक्का, दलहन, तिलहन एवं सब्जी, फल जैसी फसलों की खेती का रकबा बढ़ाने कहा। जिससे किसानों को खेती-किसानी में अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रगतिशील किसान जो कम पानी उपयोग वाली फसलों के उत्पादन से अधिक आमदानी अर्जित कर रहें हैं उन्हें अन्य किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम एवं संगोष्ठियां आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीज की उपलब्ध के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सही समय में पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध हो जाना चाहिए। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। किसानों को सही समय पर पर्याप्त मात्रा में कम पानी उपयोग वाली बीज उपलब्ध होने से किसानों को सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि बीज उत्पादन कार्यक्रम प्रचलित फसलों की खेती तुलना में आर्थिक रूप से अधिक लाभकारी है। बीज उत्पादन के क्षेत्र में स्वावलंबी बनाने के लिए धान के अलावा दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों की खेती का विस्तार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि वृक्षारोपण में वृहद स्तर पर नीम के पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने नीम के पौधे तैयार करने के लिए नर्सरी तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि एवं उद्यानिकी फसलों के उत्पादों में उपयोग किए जा रहे हानिकारक रासायनों के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ी है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने पधुधन विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करें और लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

अलाव ताप रहे बुजुर्ग की जलकर मौत

जगदलपुर(विश्व परिवार)। एक बुजुर्ग घर में ही जिंदा जल गया है। बताया जा रहा है कि, वो अलाव जलाकर बैठा था। जिससे पहले आग उसके कपड़े पर लगी, फिर आधा शरीर जलकर खाक हो गया। उसके घुटने से नीचे पैर का कुछ हिस्सा ही बचा है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। दरअसल, बुजुर्ग शिव शंकर यादव (64) जगदलपुर के गंगानगर वार्ड क्रमांक-23 के रहने वाले थे। घर पर अकेले रहते थे। रविवार को उन्होंने अपने घर पर अलाव जलाकर रखा था। वे शॉल भी ओढ़े थे। इस दौरान अचानक उनके कपड़े में आग लग गई। जिससे उनका शरीर जल गया। वे बेसुध होकर नीचे गिर गए। इस हादसे में उनका शरीर जल गया। आग की लपटें इतनी थी कि आस-पास में रखा सामान भी जल गया। जिसके बाद आग की लपटें फैली और घर से धुआं उठने लगा। वहीं, आस-पास के लोगों ने जब धुआं देखा तो तत्काल मौके पर पहुंचे थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 22 जनवरी 2025

व्यापार समाचार

पड़ोसी देशों के साथ पाकिस्तान का व्यापार घाटा 43.22 प्रतिशत बढ़ा

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान का व्यापार घाटा पड़ोसी देशों के साथ 43.22 प्रतिशत बढ़ गया है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (जुलाई 2024 से जून 2025) के दौरान यह घाटा बढ़ा है। एसबीपी द्वारा रविवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस बढ़े हुए व्यापार घाटे का मुख्य कारण चीन, भारत और बांग्लादेश से आयात में वृद्धि है। पाकिस्तान के निर्यात में भी वृद्धि देखी गई है, खासकर अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को किए गए निर्यात में। इसने निर्यात में गिरावट की कुछ हद तक भरपाई की है। आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान ने जुलाई से दिसंबर 2024 के बीच अपने निर्यात को 7.85 प्रतिशत बढ़ाकर 2.40 बिलियन डॉलर कर लिया है। पिछले साल इसी अवधि में निर्यात का मूल्य 2.23 बिलियन डॉलर था। पाकिस्तान का निर्यात चीन, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, भारत, ईरान, नेपाल, भूटान और मालदीव सहित नौ देशों को बढ़ा है। हालांकि, पाकिस्तान का आयात भी बढ़ा है। विशेष रूप से, क्षेत्रीय देशों से आयात में 29.97 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पाकिस्तान का आयात 7.73 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5.95 बिलियन डॉलर था। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था विकासशील मानी जाती है और यह जीडीपी (नाममात्र) के मामले में 46वीं सबसे बड़ी है। 2023 तक पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 241.5 मिलियन थी और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार पाकिस्तान प्रति व्यक्ति आय के मामले में जीडीपी (नाममात्र) के हिसाब से 161वीं और जीडीपी (क्रय शक्ति समता) के हिसाब से 138वीं स्थिति में है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड – 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए वित्तीय परिणाम

रायपुर। आज आईडीबीआई बैंक ने Q3 FY25 के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। Q3 FY25 के लिए शुद्ध लाभ 31% की मजबूत YoY वृद्धि के साथ 1,908 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,802 करोड़ रहा। एनआईएम 5.17% और शुद्ध ब्याज आय 23% की YoY वृद्धि करते हुए 4,228 करोड़ दर्ज हुई। Q3-2025 में जमा की लागत 4.63% रही, जो Q3-2024 में 4.34% थी। सीआरएआर 166 बीपीएस की YoY वृद्धि के साथ 21.98% रहा। Q3-2025 के लिए संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 29 बीपीएस वृद्धि के साथ 1.99% दर्ज किया गया, जो Q3-2024 में 1.70% था। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.13% रहा (56 बीपीएस की YoY वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 0.18% रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 0.34% था। सकल एनपीए 3.57% रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69% था। पीसीआर 99.47% रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 99.17% था।

एनएचसी फूड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ में 384त्न की वृद्धि दर्ज की

मुंबई : विभिन्न कृषि उत्पादों, वस्तुओं और मसालों के अग्रणी निर्यातक एनएचसी फूड्स लिमिटेड ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ महीने के वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में कंपनी का पीएटी 384 प्रतिशत बढ़कर 208.33 लाख रुपए दर्ज किया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 43.03 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन से आय 58 प्रतिशत बढ़कर 7352.97 लाख रुपए हुई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के में 4649.69 लाख रुपए थी। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, कंपनी का पीएटी 384 प्रतिशत बढ़कर 614.30 लाख रुपए हुआ है, जो पिछले वर्ष इसी समयावधि में 126.88 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए परिचालन से आय 64 प्रतिशत बढ़कर 21,420 लाख रुपए हुई है, जो पिछले वर्ष 13,062 लाख रुपए थी। पिछली तीन तिमाहियों में, अस्थिर माहौल के बावजूद, एनएचसी फूड्स के प्रदर्शन ने कंपनी की टॉपलाइन और बॉटमलाइन दोनों पर मजबूत वृद्धि हासिल करने की उल्लेखनीय क्षमता दिखाई है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी 200.88 लाख, दूसरी तिमाही में 205.08 लाख और तीसरी तिमाही में 208.33 लाख रुपए का लाभ हुआ, जो पूरे वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 234.74 लाख रुपए का मुनाफा पार कर गया है। इन परिणामों पर बोलते हुए कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक श्री सत्यम जोशी ने कहा कि तिमाही और नौ महीने की अवधि के दौरान एनएचसी फूड्स का प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद मजबूत टॉपलाइन और बॉटमलाइन विकास हासिल करने की असाधारण क्षमता को दर्शाता है। उत्पाद और बाजार विस्तार पर कंपनी का ध्यान वास्तव में उत्पादन, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं विकास में रणनीतिक निवेश की ओर केंद्रित है, जो एक उज्ज्वल और टिकाऊ भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है। श्री सत्यम जोशी ने आगे कहा, मौजूदा राइट्स इश्यू का सफल समापन वास्तव में कंपनी के प्रबंधन और भविष्य की विकास संभावनाओं में निवेशकों और हितधारकों के विश्वास का प्रमाण है। अपने विस्तार और ब्रांड-निर्माण रणनीति के हिस्से के रूप में, एनएचसी फूड्स ने एक अत्याधुनिक तिल के बीज की सफाई और हलिंग फैसेलिटी स्थापित करने व अपने प्रमुख मसाला ब्रांड, 'साज़' को पुनर्जीवित करने के लिए बड़ी धनराशि आवंटित की है।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुंबई(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में सपाट कारोबार हो रहा है। सुबह 10 बजे, सेंसेक्स 133 अंक या 0.17 प्रतिशत बढ़कर 76,738 और निफ्टी 10 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 23,213 पर था। लार्जकैप के मुकाबले मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 152 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,455 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33 अंक या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,638 पर था।

जसप्रीत बुमराह ने खुद को जिस तरह से तराशा आपको उन्हें श्रेय देना होगा : पारस म्हाम्ब्रे

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि 2013 के आईपीएल से शुरुआत करने के बाद जिस तरह उन्होंने खुद को एक खिलाड़ी के रूप में निखारा है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुत कम गेंदबाज हैं जो तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी20) में इतना बड़ा प्रभाव डाल सके हैं। 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद बुमराह ने खुद को भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया। 2024 में बारबाडोस में हुए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में बुमराह ने 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता और भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 5 मैचों में 32 विकेट लेकर उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। हालांकि सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में पीठ दर्द के कारण वह गेंदबाजी नहीं कर सके थे। म्हाम्ब्रे ने कहा, बुमराह ने जिस तरह से खुद को निखारा है, उसके लिए उन्हें पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए। वह बेहद फोकस्ड हैं और अपने खेल को लेकर हमेशा जागरूक रहते हैं। उनकी सबसे खास बात यह है कि वह हमेशा बेहतर बनने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि वह तीनों फॉर्मेट में दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज हैं। खिलाड़ियों को उनके खेले गए मैचों की संख्या से नहीं, बल्कि तीनों फॉर्मेट में उनके प्रभाव से आंका जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, बहुत कम गेंदबाज तीनों फॉर्मेट में ऐसा प्रभाव डाल पाते हैं। टी20, वनडे और टेस्ट में उनके आंकड़े उनकी मेहनत और लगन को दर्शाते हैं। बुमराह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना बेहद पसंद है। वह मैदान पर कभी हार नहीं मानते। म्हाम्ब्रे ने यह भी खुशी जताई कि बुमराह ने कप्तानी की जिम्मेदारी को भी बखूबी निभाया है। म्हाम्ब्रे ने कहा, कप्तानी को लेकर बुमराह ने अच्छी रुचि दिखाई है, जो बहुत खुशी की बात है। वह सिर्फ अपने खेल पर नहीं, बल्कि पूरी टीम पर ध्यान देते हैं। वह नए खिलाड़ियों को तैयार करने और उनकी मदद करने में भी आगे रहते हैं। बुमराह सिर्फ मैच जीतने के बारे में नहीं सोचते, बल्कि टीम पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ने पर भी जोर देते हैं। म्हाम्ब्रे इस समय यूएई में एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजी कोच हैं और आईपीएल 2025 में भी यही भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, अगर आप पीछे देखें तो उनकी यात्रा बेहद शानदार रही है।

वॉर्नर ने की स्मिथ के अनफिट होने पर ट्रेविस हेड को टेस्ट कप्तान बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर ने कहा है कि अगर स्टीव स्मिथ श्रीलंका दौरे के लिए फिट नहीं होते हैं, तो ट्रेविस हेड ऑस्ट्रेलिया के नए टेस्ट कप्तान हो सकते हैं। स्मिथ को बिग बैश लीग (बीबीएल) के दौरान चोट लग गई थी। पैट कमिंस अपनी दूसरी संतान के जन्म और टखने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया गया था। लेकिन रविवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि स्मिथ को शुक्रवार को बिग बैश लीग के मैच में फील्डिंग करते हुए दाहिने कोहनी में चोट लगी है। स्मिथ कोहनी पर ब्रेस पहने नजर आए और अभी तक दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में ऑस्ट्रेलिया के प्री-टूर कैंप में शामिल नहीं हुए हैं। अगर वह 29 जनवरी से गाले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए फिट नहीं होते, तो वॉर्नर

के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए उप-कप्तान बनाए गए ट्रेविस हेड ऑस्ट्रेलिया के 48वें टेस्ट कप्तान बन सकते हैं। वॉर्नर ने द ऑस्ट्रेलियन से कहा, मुझे नहीं लगता कि वह ज्यादा बोलेंगे। जब उन्हें सही लगेगा, तब बदलाव करेंगे। वह लंबे समय से साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तानी कर रहे हैं और उनके पास एक समझदार दिमाग है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर स्मिथ पूरे दौरे से बाहर हो जाते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका होगा।

शादी के बंधन में बंधे भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा, फोटो शेयर कर दी जानकारी

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा शादी के बंधन में बंध गए हैं. नीरज ने रविवार रात सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी. नीरज की शादी में उनके करीबी दोस्तों के साथ रिश्तेदार शामिल हुए. गोल्ड मेडल विनर नीरज की शादी की चर्चा काफी वक्त पहले से चल रही थी. लेकिन इस पर अब मुहर लग गई है. नीरज ने अपनी पत्नी के साथ फोटो शेयर की है. नीरज ने शादी की तस्वीरों को एक्स पर शेयर किया. उन्होंने कैप्शन में लिखा, %%जीवन के नए अध्याय की शुरुआत अपने परिवार के साथ की.%% नीरज की शादी में सिर्फ करीबी लोगों को ही इनवाइट किया गया था. उन्होंने कैप्शन के जरिए अपनी वाइफ का नाम भी बताया. नीरज की वाइफ का नाम हिमानी है. वे क्या करती हैं, इसको

लेकर अभी जानकारी नहीं मिली है. नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता था. उनकी यह जीत ऐतिहासिक रही थी. नीरज की इस जीत के बाद उनकी शादी की काफी चर्चा थी. नीरज से कई इंटरव्यू में शादी को लेकर सवाल किया जा चुका था. लेकिन इस पर उन्होंने किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी थी. नीरज कभी भी अपनी होने वाली जीवन साथी को लेकर खुलासा नहीं किया. अब चुपचाप शादी कर ली. नीरज चोपड़ा भारत के लिए जेवलिन थ्रो में कई मेडल जीत चुके हैं.

आ गई हवा में उड़ने वाली टैक्सी, पायलेट समेत 7 पैसेंजर बैठ सकेंगे; लॉन्च डेट आई सामने

नई दिल्ली(एजेंसी)। 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' में देश की पहली प्रोटोटाइप एयर टैक्सी को पेश किया गया। इस टैक्सी को 'शून्य' नाम दिया गया है। इस लक्ष्य के लिए प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग फर्म सोना एसपीईईडी ने बेंगलुरु स्थित सरला एविएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कंपनी ने कहा कि ये 250 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से उड़ सकेगी और सिर्फ 20 मिनट की चार्जिंग में एक ट्रिप के लिए तैयार हो जाएगी। शून्य फ्लाइंग टैक्सी से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में ट्रैवल टाइम में काफी कमी आने की उम्मीद है। इसमें पायलट सहित 7 लोग बैठ सकेंगे। सरला

एविएशन भारत के सबसे बेहतरीन इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान विकसित करती है। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सरला एविएशन बूथ का दौरा किया और उड़ने वाली टैक्सी के प्रोटोटाइप में गहरी दिलचस्पी दिखाई और इसे ऐतिहासिक बताया। सोना एसपीईईडी मोटर्स इसरो के कई अंतरिक्ष मिशनों का हिस्सा रही है। यह समझौता सोना एसपीईईडी को देश में अर्बन एयर मोबिलिटी में क्रांति लाने में एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करता है। सोना एसपीईईडी के सीईओ चोको वलियाप्पा ने कहा, यह साझेदारी एयरोस्पेस इनोवेशन के हब रूप में सोना एसपीईईडी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य साथ मिलकर शहरी परिवहन के लिए एक स्वच्छ, तेज और अधिक कुशल भविष्य को आकार देना है। समझौता ज्ञापन के तहत, सोना एसपीईईडी कर्नाटक में अपनी अत्याधुनिक फैसिलिटी का इस्तेमाल सरला एविएशन के ईवीटीओएल विमान के लिए मोटर और लैंडिंग गियर जैसे क्रिटिकल कम्पोनेंट्स को डिजाइन और निर्माण करने के लिए करेगी। सरला एविएशन के सीईओ राकेश गांवकर ने कहा, इंजीनियरिंग में सोना एसपीईईडी की विशेषज्ञता इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों के लिए हमारे दृष्टिकोण को पूरी तरह से पूरा करती है।

एसए20 में नवीन उल हक ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से लूटी महफिल, 200 की स्ट्राइक रेट से कूटे रन

नई दिल्ली(एजेंसी)। नवीन उल हक इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए हुए ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे. नवीन एक बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं. इसलिए उनका अनसोल्ड रहना क्रिकेट फैंस को हैरान करने वाला था. नवीन ने भी खुद को अनसोल्ड रहने को गंभीरता से ले लिया है. अब वे गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी पर भी फोकस करने लगे हैं. इसकी झलक उन्होंने साउथ अफ्रीका टी 20 लीग में

दिखाई है. साउथ अफ्रीका टी 20 लीग में नवीन उल हक डरबन सुपर जायंट्स की तरफ से खेल रहे हैं. 19 जनवरी को सनराइजर्स ईस्टर्न कैप के खिलाफ हुए मैच में 10 वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे. उन्होंने 15 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 200 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 30 रन बनाए. उनकी तूफानी बल्लेबाजी फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई है. अगर वे ऐसी ही बल्लेबाजी करते रहे तो टी 20 क्रिकेट में उनकी मांग और ज्यादा बढ़ जाएगी क्योंकि हर टीम निचले क्रम में एक ऐसा बल्लेबाज चाहती है जो तेजी से 25 से 30 रन बना सके. नवीन बेहतरीन गेंदबाज हैं और इस मैच में भी उनकी गेंदबाजी असरदार रही. उन्हें सिर्फ 1 ही विकेट मिले लेकिन 3 ओवर में सिर्फ 28 रन उन्होंने दिए. टी 20 के लिए लिहाज से इसे ज्यादा महंगा नहीं माना जाएगा. टूर्नामेंट के 5 मैच में वे 4 विकेट ले चुके हैं. नवीन की धुआंधार बल्लेबाजी के बावजूद उनकी टीम डरबन को इस मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म में से एक बनने के लिए की रणनीतिक साझेदारी

रायपुर। वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने तथा डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए की हुई एक अनूठी साझेदारी एयरटेल अपने सभी 370 मिलियन ग्राहकों को बजाज फाइनेंस की अधिकांश खुदरा वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करायेगा यह साझेदारी एयरटेल के मज़बूत डिजिटल प्लेटफॉर्म और ओमनी चैनल क्षमताओं को बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों के विविध समूह, एआई-संचालित रणनीति तथा मजबूत अंडरराइटिंग स्ट्रेन्थ के साथ जोड़ती है। नई दिल्ली/मुंबई, 21 जनवरी, 2025: भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल और देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस ने आज वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में से एक बनने और वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस अनूठी साझेदारी में एयरटेल के 370 मिलियन का सक्रिय ग्राहक, 12 लाख से अधिक का विशाल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, तथा बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों का विविध समूह, और 5,000 से अधिक शाखाएं एवं 70,000 क्षेत्रीय एजेंट शामिल है । एयरटेल, बजाज फाइनेंस के खुदरा वित्तीय उत्पाद शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर, और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से भी उपलब्ध कराएगा, ताकि ग्राहकों को इस सुविधा का सहज और सुरक्षित अनुभव मिल सके। दोनो कंपनियों की डिजिटल परिसम्पतियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाएगी। भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडी गोपाल विट्टल ने कहा, एयरटेल और बजाज फाइनेंस, इस देश के दो भरोसेमंद नाम हैं, जो लाखों भारतीयों को वित्तीय जरूरतों के विविध पोर्टफोलियो के साथ सशक्त बनाने का साझा दृष्टिकोण रखते हैं। दोनों कंपनियों की संयुक्त पहुंच, पैमाना और वितरण शक्ति इस साझेदारी की आधारशिला के रूप में काम करेगी और हमें बाजार में सफल होने में मदद करेगी। हम एयरटेल फाइनेंस को कंपनी के लिए एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं और इसमें निवेश तथा इसका विकास करना जारी रखेंगे।

बादाम के 8 छुपे हुए सेहतमंद फायदे : रितिका समद्दर

रायपुर। हर साल 23 जनवरी को नेशनल आमंड डे मनाया जाता है जो बादाम खाने के फायदों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का दिन है हम में से अधिकांश ने बचपन में अपनी माँ और दादी से सुना होगा कि बादाम खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है और यह बात अब वैज्ञानिक रूप से भी साबित हो चुकी है। 200 से अधिक वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह पुष्टि की है कि बादाम पोषण से भरपूर होते हैं और हमारी संपूर्ण सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। कैलिफोर्निया बादाम, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं इस खास मौके पर रितिका समद्दर, क्षेत्रीय प्रमुख-डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर नई दिल्ली ने बताया कि रोजाना के आहार में बादाम को शामिल करने के कुछ अनजान लेकिन महत्वपूर्ण फायदे हैं। आइए, इस बहुमूल्य जानकारी पर एक नज़र डालें और सेहत के लिए बादाम के लाभों को समझें। कैलिफोर्निया बादाम में 15 जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे मैग्नीशियम, प्रोटीन, रिबोफ्लेविन, जिंक, फाइबर और सेहतमंद फैट्स। ये पोषक तत्व संपूर्ण तंदुरुस्ती में योगदान देते हैं। भारतीयों के आहार के लिए आईसीएमआर-एनआईएन के दिशा-निर्देशों में बादाम को एक पौष्टिक नट के रूप में माना गया है, जिसे रोजाना खाना सेहत के लिए फायदेमंद है।

बादाम में भरपूर मात्रा में विटामिन ई होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। इसे त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाने के लिए जाना जाता है और इसके एंटी-एजिंग गुण भी होते हैं। कैलिफोर्निया बादाम प्रोटीन का समृद्ध स्रोत हैं, जो मांसपेशियों की वृद्धि और रखरखाव में मदद करता है। आईसीएमआर के दिशा-निर्देश संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से बादाम खाने की सलाह देते हैं। बादाम न केवल प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं, बल्कि यह एक सेहतमंद और पौष्टिक स्नैक भी है। बादाम में विटामिन बी12, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो भोजन को ऊर्जा में बदलने और आपको सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 22 जनवरी 2025

नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा प्रभारियों की नियुक्ति

रायपुर (विसं)। नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने प्रभारियों,संगठन प्रभारियों, संयोजक तथा सह संयोजकों की नियुक्ति की है। भाजपा ने कृषि मंत्री रामविचार नेताम को रायपुर का प्रभार दिया है। डिप्टी सीएम अरूण साव को बिलासपुर और विजय शर्मा को दुर्ग नगर निगम का प्रभार दिया गया है। लखनलाल देवांगन को कोरबा,लक्ष्मी राजवाड़े को अंबिकापुर,श्यामबिहारी जायसवाल को चिरमिरी,टंकराम वर्मा धमतरी, दयालदास बघेल को राजनांदगांव,केदार कश्यप को जगदलपुर तथा ओपी चौधरी को रायगढ़ का प्रभारी बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

शिशु संरक्षण माह का शुभारम्भ, कलेक्टर ने बच्चों को पिलाया विटामिन और आयरन का ड्रॉप

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शिशु संरक्षण माह के शुभारंभ के अवसर पर कालीबाड़ी स्थित जिला चिकित्सालय में 6 माह से 5 साल के बच्चों को आयरन ड्रॉप और 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ड्रॉप पिलाया। यह कार्यक्रम आज से शुरू होकर आगामी 21 फरवरी तक चलेगा। साथ ही कलेक्टर डॉ. सिंह ने अस्पताल का भी निरीक्षण किया और बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में खिड़कियों में जाली लगाने का निर्देश दिए , ताकि मच्छरों से होने वाले संक्रमण से बच्चों को बचाया जा सके। शिशु संरक्षण माह का उद्देश्य बच्चों में खून की कमी और विटामिन की कमी से होने वाली बीमारियों से बचाव करना है। इस अभियान के तहत बच्चों को आवश्यक पोषण तत्वों की खुराक दी जा रही है, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास सही तरीके से हो सके। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि लोग इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने बच्चों को समय पर विटामिन और आयरन ड्रॉप की खुराक दें, ताकि उनका स्वास्थ्य बेहतर रहे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी मौजूद थे।

कलेक्टर और एसएसपी ने यातायात नियमों के पालन के लिए वाहन चालको को दी समझाइश

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने आज पचपेढी नाका ओवरब्रिज पर बिना हेलमेट के वाहन चलाते सवारों को रोककर समझाइश दी। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए हेलमेट पहनने की आवश्यकता पर जोर दिया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि हेलमेट सुरक्षा के सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है, जो दुर्घटनाओं में गंभीर चोटों से बचाता है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करें साथ ही अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा करें। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए हेलमेट का प्रयोग करें। इस दौरान कई वाहन चालकों ने हेलमेट पहनने की अहमियत को समझा और इसे अपनी आदत में शामिल करने का संकल्प लिया।

दपूम रेलवे ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल 295 दिनों में 200 मिलियन टन लदान के आंकड़े को हासिल किया

देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने समर्पित रेलकर्मियों के सम्मिलित प्रयासों से अपने सर्वाधिक लदान करने वाले जोन में से एक होने के खिताब एवं परंपरा को बरकरार रखने की ओर अग्रसर है। अपने ठोस इरादों की बदौलत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए नवीन प्रबंधन प्रणाली से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के 01 अप्रैल' 2024 से 20 जनवरी' 2025 तक केवल 295 दिनों में 200 मिलियन टन लदान को पूरा किया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्षों 2023-24 में 318 दिनों, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 345 दिनों तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 में 348 दिनों में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय रेलवे में 65त्न इंक्रीमेंटल लोडिंग की भागीदारी के साथ यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इस अवधि में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा लोड किए गए वस्तुओं में कोयला, क्लिंकर, लौह अयस्क, सीमेंट, स्टील, खाद्यान, रासायनिक खाद, खनिज तेल एवं स्टील कारखानो के लिए कच्चे माल आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में माल लदान वृद्वि ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब इस रेलवे में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिये रेल लाइनों का दोहरीकरण, तीहरीकरण एवं चौथी लाइन जैसे कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी कार्य किये जा रहे है। इस प्रकार आधार संरचना में अभूतपूर्व प्रगति के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोयले एवं अन्य खनिजों के लदान में भी बढ़ोत्तरी कर देश के साथ ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की है तथा स्थानीय लोगों की रोजगारपरक क्रियाओं में वृद्वि करने का योगदान दिया है। इस उपलब्धि के पीछे माल लदान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख सहभागी कोल इंडिया के विभिन्न प्रकल्पों तथा अन्य ग्राहकों के साथ प्रत्येक स्तर पर बेहतर कार्य का भी बड़ा योगदान है। समय समय पर बैठकों के जरिये उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया गया है।

भारतीय रेलवे में सर्वाधिक माल ढुलाई करने वाले रेल मण्डल के रूप में विख्यात बिलासपुर रेल मण्डल ने भी पिछले वर्ष की तुलना में 32 दिन पहले ही 150 मिलीयन टन माल ढुलाई के आंकड़े को हासिल किया है।

देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन में दक्षिण पूर्ण मध्य रेलवे द्वारा माल लदान के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा माल लदान में नए कीर्तिमान को जल्द ही हासिल कर ली जाएगी। महाप्रबंधक ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए समस्त रेलकर्मियों के प्रयासों की सराहना की है।

गौमांस मामले में हिंदूवादी संगठनों ने किया प्रदर्शन

भिलाई-रायपुर (आरएनएस)। दो दिन पहले भिलाई सुपेला स्थित कृष्णानगर के तीन मकानों में मिले गौमांस मामले में आज एक बार फिर हिन्दुवादी संगठन के लोग आक्रोशित नजर आए। सैंकड़ों की संख्या में हिन्दूवादी संगठन के लोगों ने सुपेला थाने में पहुंचकर सख्त कार्रवाई की मांग की। छत्तीसढ़ बजरंग दल के पदाधिकारियों ने आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग करते हुए थाना प्रभारी राजेश मिश्रा को ज्ञापन भी सौंपा। संगठन के लोगों का कहना है कि लगातार गौवंश की हत्या और गौमांस के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन हर बार आरोपियों पर नाम मात्र की कार्रवाई की जा रही है,लेकिन इस बार हद ही हो गई है। इस मामले में अगर आरोपियों पर सख्ती नहीं दिखाई गई तो हौसले और बढ़ेंगे।

पंचायत और निकाय के परिणाम एक ही दिन घोषित हों : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का कहना है कि नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव की अधिसूचना जब एक साथ जारी हुई है, आचार संहिता एकसाथ लगी है तो परिणाम भी एकसाथ ही घोषित होना चाहिए।

श्री बैज ने यह बात आज राजीव भवन में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि कल स्थानीय निकायों के चुनावों की घोषणा हुई। कल ही हमने नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव परिणाम की तिथि पर आपत्ति व्यक्त किया था। नगरीय निकाय एवं पंचायतों के चुनाव कार्यक्रम एक साथ घोषित किये गये है। निकायों के परिणाम 15 फरवरी को आयेंगे। पंचायतों के परिणाम 18, 21, 24 फरवरी को घोषित होंगे। जब एक साथ चुनाव की अधिसूचना जारी हुई है। आचार संहिता एक साथ लगी है। पंचायतों एवं निकायों के परिणाम एक साथ घोषित होना चाहिये।

उन्होंने कहा कि अमूमन निर्वाचन आयोग अलग-अलग राज्यों के चुनाव कार्यक्रम जब भी घोषित करता है तो भले मतदान अलग-अलग तिथि पर हो, परिणाम एक साथ ही आते है। इस संबंध में हमने प्रदेश निर्वाचन

पदाधिकारी को पत्र लिखा है। कांग्रेस के तरफ से आपत्ति दर्ज कराया है। उम्मीद है निष्पक्ष चुनाव के लिये हमारी आपत्ति पर ध्यान देकर दोनों चुनाव परिणाम एक साथ 24 फरवरी को घोषित किया जायेगा। चुनाव के कार्यक्रम घोषित होने से छात्रों एवं अभिभावकों की परेशानियां बढ़ गयी है। चुनाव और परीक्षाएं टकरा रही है। ष्टक्स्ट, दुष्टसष्ट, ष्टन जठ की परीक्षाएं भी लगभग इसी समय चलेगी। हमने सरकार से पहले भी मांग किया था, ऐसी व्यवस्था बने जिससे परीक्षाएं न टकरायें। पहले भाजपा ने हार के डर से चुनाव नहीं कराया और अब आलोचना से डरकर चुनाव की घोषणा हुई तो परीक्षाओं का ख्याल नहीं रखा गया। यह स्थानीय निकाय चुनाव भाजपा सरकार की नाकामी और वादा खिलाफी पर लड़ा जायेगा। पिछले 1 साल में भाजपा की साय सरकार जनता की उम्मीदों पर विफल साबित हो चुकी है। सरकार से युवा, किसान, महिला, मजदूर, विद्यार्थी, अनुसूचित जाति, जनजाति हर वर्ग के लोग निराश है। सब सरकार से अपने आपको ठगा महसूस कर रहे है। भाजपा की विष्णुदेव सरकार 1 साल में विफल साबित हो गई। राज्य में भ्रष्टाचार और कुशासन का दौर हावी है। साय सरकार के 1 साल में विष्णु का सुशासन तो दूर विष्णु की सरकार कही नहीं दिख रही।

दीपक बैज ने कहा कि स्थानीय निकायों में किये गये दोषपूर्ण आरक्षण नीति के कारण ओबीसी वर्ग के लोग सरकार से नाराज है। 3217 रू. एकमुश्त भुगतान नहीं करने के कारण, धान खरीदी में फैली अव्यवस्था से किसान सरकार से नाराज है।

बीरगांव नगर निगम को छोड़कर पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय आम निर्वाचन 2025 की घोषणा कर दी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव कुमार सिंह ने आज आम निर्वाचन के संबंध में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय आम निर्वाचन 2025 की घोषणा करने के तत्काल बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आदर्श आचार संहिता बीरगांव नगर निगम को छोडकर पूरे जिले में लागू होगी। कलेक्टर डॉ सिंह ने बताया कि आम निर्वाचन की अधिसूचना 20 जनवरी को जारी की कर दी गई है। नगरीय निकाय निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशी 22 से 28 जनवरी तक अपना नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर या सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष जमा करा सकेंगे। वहीं 25 व 26 जनवरी को नामांकन जमा नहीं किए जाएगें। नगरीय निकाय क्षेत्र के निर्वाचन लिए 11 फरवरी को मतदान होगा। 15 फरवरी को मतों की गणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जाएगें। प्रथम चरण में आंरग और अभनपुर द्वितीय चरण में तिल्दा और धरसींवा में चुनाव होगा। दोनों चरणों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी 27 जनवरी से 3 फरवरी तक नामांकन जमा कर सकेगें। वहीं प्रथम चरण का मतदान 17 फरवरी तथा द्वितीय चरण 20 फरवरी को होगा। प्रथम चरण की मतगणना 18 तथा द्वितीय चरण की मतगणना 21 फरवरी को होगी।

न्यू क्रीमिनल लॉ पर प्रशिक्षण का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस मुख्यालय एवं हिदायतुल्ला लॉ यूनिवर्सिटी के मध्य पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को न्यू क्रीमिनल लॉ का प्रशिक्षण दिये जाने हेतु हुये एमओयू के तारतम्य में हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी तथा नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20/01/2025 से 24/01/2025 तक किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ अकादमी के निदेशक डॉ. रतन लाल डांगी तथा हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव ने किया।

इस 05 दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न जिलों, इकाईयों से उपस्थित कुल 101 पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स, विभिन्न न्यायालयों के न्यायाधीशों, लोक अभियोजन अधिकारियों द्वारा नवीन कानून की बारिकियों से अवगत कराया जाएगा। इस प्रशिक्षण को शैक्षणिक प्रशिक्षण के रूप में न देखा जाकर व्यवहारिक प्रशिक्षण के रूप में देखा जा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कानूनी ज्ञान का विस्तार करने के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान का विस्तार करना है। अकादमी के निदेशक डॉ. रतन लाल डांगी ने कहा कि कानून समाज के हिसाब से चलते हैं, कानून बनाने के लिये हमारी परंपराओं को भी ध्यान में रखा जाता है। समाज की आवश्यकता के अनुरूप भी कानून बनाये जाते हैं, जिससे अपराध को रोका जा सके। हमारे लोगों को न्याय मिल सके इसके लिये नये कानून को लाया गया है। हमने महसूस किया कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फील्ड में इसे क्रियान्वित करने में बहुत सारी परेशानियां आ रही है जिसके मद्देनजर पुलिस महानिदेशक महोदय के निर्देशानुसार हिदायतुल्ला लॉ यूनिवर्सिटी के सहयोग से यह मास्टर ट्रेनर बनाये जाने संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। निदेशक महोदय ने कहा कि विवेचना के दौरान विवेचक अधिकारी को विवेचना की चैन ब्रेक न हो इसका ध्यान रखना चाहिए। एफआईआर लेखन से लेकर माननीय न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत करने तक, विवेचना की चैन नहीं टूटनी चाहिए। प्रत्येक बारिकीयों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराएं: कलेक्टर

रायपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज नोडल अधिकारियों की बैठक हुई। कलेक्टर ने कहा कि जिन नोडल अधिकारी को जो जिम्मेदारी दी गई है उसका पूर्ण रूप से निर्वहन करें। नगरीय एवं त्रिस्तरीय चुनाव के अंतर्गत आने वाले शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों में संपत्ति विरूपण की कार्रवाई निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें। सभी अधिकारी आदर्श आचार संहिता का पूर्णरूप से पालन करें। मतदान तिथि के पूर्व ही सारे मतदान केंद्रों में साफ़ सफ़ाई अवश्य करवा लें, इसके अलावा बिजली की व्यवस्था, पंखे चालू हालत में रहे।

श्री वेंकटेश सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने मनाया सेवा, समर्पण और सफलता का प्रथम वर्षगांठ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री वेंकटेश सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर अपने स्थापना दिवस 21 जनवरी को मनाया। जिसमें हॉस्पिटल ने चिकित्स्कों एवं सहकर्मियों ने केक कटिंग के साथ सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। स्थापना दिवस पर संस्था ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें

बताया कि श्री वेंकटेश सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल आपके विश्वास और भरोसे से अपना 1 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। इस एक वर्ष में हमने स्वास्थ्य के सभी क्षेत्रों में दक्षता हासिल की है। हमारा सदैव से यह प्रयास रहा है कि लोगो के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण जीवन शैली प्रदान करना है। इस कड़ी में हमने 14500+ ओपीडी परामर्श, 2000+ आईपीडी सेवा, 1200+ ब्रोंकोस्कोपी/स्लीप स्टडी, 800+ लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, 290+ CABG (MICS), 400+ वाल्व रिप्लेसमेंट (MICS), 600+ एंजियोप्लास्टी, 250+ पेसमेकर (इम्प्लांटेशन), 200+ ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के साथ-साथ लाखो के जीवन में सेहत के मुस्कान दिए है। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए हमने हृदय एवं फेफड़े के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम किये गए। जिसके द्वारा हॉस्पिटल का नाम गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

डायरेक्टर डॉ. कमल कांत आदिले ने कहा कि- मै सभी सहयोगियों का हार्दिक आभार करता हूँ। आपके विश्वास एवं भरोसे से हमने एक सालों में सफलता के अनेक उचाईयों को प्राप्त किया एवं बेहतर चिकित्सा प्रदान करने एवं व्यवस्था बनाने में सफल हुए है। हमारे हॉस्पिटल में रोगों के परामर्श में हम एक अग्रणीय संस्था हैं और साथ-साथ हमारे अस्पताल में विश्वस्तरीय आधुनिक जांच की सुविधाएँ भी उपलब्ध है।

वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. चंदेल ने बताया की बीते एक वर्ष में हमने जनता को बेहतर से बेहतर इलाज सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया है जो कि आगे भी जारी रहेगा। मध्यभारत की एकमात्र संस्था है जो कि हृदय रोग की सम्पूर्ण सर्जरी चाहे वो कितनी भी जटिल से जटिल हो मिनिमल इनवेसिव कार्डियक सर्जरी पद्धति से करती है। इस पद्धति में मरीजों को कम रिस्क एवं शीघ्र पुनर्वास की सुविधा होती है। यह मधुमेह के मरीजों के लिए एक वरदान है। मै आप सभी का दिल से धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपके अटूट विश्वास हम पर आपके जीवन आयोग्य के लिए बना और आपने हमें सदैव अपने प्राथमिकता में रखा।

वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. पंडा ने कहा की छत्तीसगढ़ के मध्य में स्थित यह संस्था दिल एवं फेफड़ों के स्वास्थ्य के जटिल से जटिल बीमारियों के इलाज के लिए सर्वसुविधा युक्त संस्था है। कोविड़ के समय से जो लोगों में अनेक श्वशन से सम्बंधित समस्याओं का सामना किया है वो आज यहाँ के इलाज से के स्वस्थ जीवन जी रहे है। यहाँ अत्याधुनिक मशीनों से फेफड़ों के जाँच की सुविधा एवं अनुभवी परामर्श सुविधा है। हम यह कह सकते है कि वर्तमान समय में एक सुरक्षित एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवा आपके पहुंच में है। डायरेक्टर डॉ. संदीप चंद्राकर ने कहा कि- हॉस्पिटल का प्रथम वर्ष सेवा, समर्पण, सफलता की कहानी कहता है एक नई संस्था होने के बावजूद वर्तमान चुनौतियों को स्वीकार करते हुए लोगों के स्वास्थ्य को शीर्ष में रखते हुए हमने एक वर्ष में सभी को बेहतर से बेहतर इलाज सुविधा प्रदान की है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त तिमाही एवं नौ-माह के लिए वित्तीय परिणाम

रायपुर (विश्व परिवार)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त तिमाही एवं नौ माह के लिए वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए हैं। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कार्यनिष्पादन के प्रमुख वैशिष्ट्य कुल व्यवसाय रु. 617368 करोड़ से 8.31 प्रतिशत बढ़कर रु. 668686 करोड़ हो गया है। कुल जमा राशि रु. 377722 करोड़ से 5.34 प्रतिशत बढ़कर रु. 397907 करोड़ हो गई है। कासा जमा राशि रु. 10565 करोड़ बढ़कर, रु. 95107 करोड़ हो गई है, जो साल-दर-साल 5.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है और कुल जमा का 49.18 प्रतिशत हिस्सा है। सकल ऋण रु. 239646 करोड़ से 12.99 प्रतिशत बढ़कर रु. 270779 करोड़ हो गया है। ऋण जमा (सीडी) अनुपात 31 दिसम्बर 2023 से 465 बीपीएस का सुधार दर्ज करते हुए 68.25 प्रतिशत हो गया है। 31 दिसम्बर 2023 की समाप्त तिमाही की तुलना में सकल एनपीए 4.50 प्रतिशत में 64 बीपीएस का सुधार दर्ज करते हुए 3.86 प्रतिशत हो गया है। 31 दिसम्बर 2023 की समाप्त तिमाही की तुलना में शुद्ध एनपीए 1.27 प्रतिशत में 68 बीपीएस का सुधार दर्ज करते हुए 0.59 प्रतिशत हो गया है। 31 दिसम्बर 2023 की समाप्त तिमाही की तुलना में प्रावधान कवरेज अनुपात 93.73 प्रतिशत में 281 बीपीएस का सुधार दर्ज करते हुए 96.54 प्रतिशत हो गया। 31 दिसम्बर 2023 की समाप्त तिमाही/नौ-माह की तुलना में शुद्ध लाभ रु.719 / रु. 1742 करोड़ से साल-दर-साल 33.98त्न/57.98 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए रु.959 / रु.2752 करोड़ हो गया है। 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 31 दिसम्बर 2023 के रु.3152 करोड़ के सापेक्ष बढ़कर रु.3540 करोड़ हुई है। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 31 दिसम्बर, 2023 तिमाही के अंत में 3.28 प्रतिशत की तुलना में 31 दिसम्बर, 2024 तिमाही के अंत में 3.48 प्रतिशत है। दिसम्बर 24 को समाप्त तिमाही के लिए आस्तियों से लाभ (आरओए) में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.87 प्रतिशत का सुधार हुआ है. इनमें 18 बीपीएस की वृद्धि हुई है। दिसम्बर 24 को समाप्त तिमाही के लिए इक्विटी से लाभ (आरओई) में 12.96 प्रतिशत (वार्षिकीकृत) का सुधार हुआ है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इसमें 228 बीपीएस की वृद्धि हुई है. सीआरएआर सुधरकर 16.43 प्रतिशत हो गया, जिसमें टियर ढ्ढ 14.21 प्रतिशत है, जो 169 बीपीएस की वृद्धि दर्शाता है।

लाभप्रदता (31 दिसम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही) वर्ष-दर-वर्ष आधार पर : विगत वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में कुल आय (ब्याज आय एवं गैर ब्याज आय) वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के रु.9139 करोड़ की तुलना में 6.57 प्रतिशत बढ़कर रु.9739 करोड़ हो गई है। दिनांक 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) वर्ष दर वर्ष आधार पर 11.71 प्रतिशत बढ़कर रु.3540 करोड़ हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह रु.3152 करोड़ थी। दिनांक 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 1.66 प्रतिशत बढ़कर रु.1963 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में रु.1931 करोड़ था. पिछले वर्ष समाप्त नौ-माह (वित्त वर्ष 24-25) की अवधि के सापेक्ष इस वित्तीय वर्ष में वृद्धि 15.51 प्रतिशत रही. शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के रु.719 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के लिए 33.38 प्रतिशत बढ़कर रु.959 करोड़ हो गया है. आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 18 बीपीएस का सुधार दर्ज करते हुए दिसम्बर 24 को समाप्त तिमाही के लिए 0.87 प्रतिशत हो गया है. इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 228 बीपीएस का सुधार दर्ज करते हुए दिसम्बर 24 को समाप्त तिमाही के लिए 12.96 प्रतिशत हो गया है.

व्यवसाय वैशिष्ट्य : 31 दिसम्बर 2024 को बैंक का कुल व्यवसाय वार्षिक आधार पर रु.617368 करोड़ से रु.51318 करोड़ (8.31 प्रतिशत) की वृद्धि के साथ बढकर रु.668686 करोड़ हो गया। कुल जमा राशि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर रु.20185 करोड़ अर्थात 5.34 प्रतिशत बढ़कर दिसम्बर 2023 के रु.377722 करोड़ की तुलना में रु.397907 करोड़ हो गई। वार्षिक आधार पर सकल अग्रिम रु.31133 करोड़ (12.99 प्रतिशत) बढ़कर रु.270779 करोड़ हो गए, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह रु.239646 करोड़ था। रिटेल, कृषि और एमएसएमई (रैम) कारोबार में 17.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्षेत्रवार वृद्धि क्रमश: 16.18 प्रतिशत (रु.79927 करोड़), 14.83 प्रतिशत (रु.51274 करोड़) और 23.64 प्रतिशत (रु.58102 करोड़) रही। 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान प्रति कर्मचारी व्यवसाय बढ़कर रु.19.95 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह रु.19.27 करोड़ था।

आस्ति गुणवत्ता : सकल एनपीए वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 31 दिसम्वर 2023 के 4.50 प्रतिशत की तुलना में 3.86 प्रतिशत हो गया। शुद्ध एनपीए पिछले वर्ष की समान तिमाही के 1.27 प्रतिशत से बढ़कर 0.59 प्रतिशत हो गया है। शुद्ध एनपीए भी वर्ष दर वर्ष आधार पर रु.2956 करोड़ से घटकर रु.1555 करोड़ हो गया है। 31 दिसंबर, 2024 तक प्रावधान कवरेज अनुपात पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 93.73 प्रतिशत की तुलना में 96.54 प्रतिशत है, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 281 बीपीएस का सुधार हुआ है।

पूंजी पर्याप्तता : 31 दिसम्बर 2024 को कुल बेसल ढ्ढढ्ढ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बढ़कर 16.43 प्रतिशत (सामान्य इक्विटी टियर 1 अनुपात 14.21 प्रतिशत के साथ), हो गया जबकि 31 दिसम्बर 2023 को यह 14.74 प्रतिशत था, इसमें 169 बीपीएस का सुधार दर्ज किया गया।

शाखा सेगमेंट : 31 दिसम्बर 2024 को बैंक की 4541 शाखाओं के नेटवर्क के साथ पूरे भारत में उपस्थिति है, जिसमें 2962 शाखाएँ (65.22त्न), ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, 4085 एटीएम और 11899 बीसी पॉइंट सहित कुल 20515 टच पॉइंट हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354